दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 59 | ग्वालियर, रविवार 10 नवम्बर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

कलयुगी बेटे ने अपनी मां की बेरहमी से कर दी हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के बदरपुर इलाके से हत्या का एक ऐसा मामला सामने आया है जिसके बारे में जानकर आप पूरी तरह से हैरान हो जाएंगे और आप सोच में पड़ जाएंगे कि कोई ऐसा भी कर सकता है क्या? दरअसल एक शख्स ने अपने घर में अपनी ही मां की हत्या कर दिया। इसके बाद उसने अपने पिता को फोन करके घर बुलाया और तब उसे पता चलता है कि बेटे ने अपनी ही मां की हत्या कर दी है। पुलिस को जब इसकी जानकारी मिली तो मामले की जांच की और इस हत्या का कारण पता किया। बता दें कि 6 नवंबर की शाम करीब 5 बजे अपोलो अस्पताल सरिता विहार से दिल्ली पुलिस को एक कॉल आया और बताया गया कि एक मृतक महिला को यहां लाया गाय है और उसकी मौत शरीर पर चोट की वजह से हुई है। दरअसल दिल्ली के बदरपुर में 4 लोगों का एक परिवार रहता है। परिवार में पति, पत्नी और दो बेटे हैं। पिता सुरजीत सिंह जैतपुर इलाके में प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं और सुरजीत सिंह ही अपनी पत्नी को लेकर अस्पताल पहुंचे थे जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। अस्पताल से कॉल आने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को बरामद करके पुलिस जांच में जुट गई। जांच में पुलिस को पता चला कि महिला का बेटा कृष्ण कांत जिसकी उम्र 31 साल है, उसने अपने पिता को फोन करके घर पर बुलाया था। पिता जैसे ही घर पहुंचा तो बेटे ने सॉरी बोला और पहले फ्लोर पर जाने के लिए कहा। वहां जाकर सुरजीत ने देखा कि उसकी पत्नी गीता खून से लथपथ हालत में पड़ी है। उसके शरीर पर धारदार हथियार से वार के कई निशान थे। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से सुरजीत अपनी पत्नी को अस्पताल ले गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

वंदे भारत एक्सप्रेस के सामने बाइक छोड़कर भागा युवक

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां ट्रैक पर आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस के सामने एक युवक बाइक छोड़कर भाग गया है। इस वजह से वंदे भारत ट्रेन के इंजन में फंसकर बाइक काफी दूर तक घिसटती रही। गनीमत ये रही कि वंदे भारत डिरेल नहीं हुई, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। ये घटना कल शाम 4.20 बजे की है। वंदे भारत वाराणसी से प्रयागराज जंक्शन की ओर बढ़ रही थी। झांसी स्टेशन के निकट बंधवा ताहिरपुर रेलवे अंडर पास के ऊपर कुछ युवक बाइक लेकर रेल ट्रैक पार कर रहे थे। इसी दौरान वंदे भारत सामने आती दिखी तो एक युवक बाइक को रेल ट्रैक पर छोड़कर भाग गया। बाइक से जोरदार टक्कर के बाद वंदे भारत मैं बैठे यात्रियों ने झटका महसूस हुआ। बाइक घिसटने की तेज आवाज आने लगी। इसी बीच लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक लिया। सूचना वाराणसी स्थित पूर्वोत्तर रेलवे के कंट्रोल रूम को दी गई तो अलर्ट जारी हुआ और रेल ट्रैक पर आवागमन रोक दिया गया। जीआरपी घटना की जांच कर रही है और बाइक मालिक की तलाश की जा रही है। बाइक मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इससे पहले दिल्ली से वाराणसी जा रही वंदे भारत ट्रेन पर पथराव हुआ था। ये घटना कानपुर के पनकी स्टेशन के पास हुई थी। इस घटना से ट्रेन के शीशे टूट गए थे। पत्थरबाजी की इस घटना के बाद कोच के यात्रियों में हड़कंप मच गया था। वंदे भारत ट्रेन के ड्राइवर के द्वारा इस घटना की सूचना कंट्रोल रूप को दे दी गई थी। इसके बाद आरपीएफ पनकी ने अज्ञात पत्थरबाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था और मामले की जांच शुरू कर दी थी।

स्कूल में सेल्फी लेने से रोका तो जाम गेट पर चढ़ गया छात्र

12वीं कक्षा का छात्र राज ओसारी मंडलेश्वर क्षेत्र के काकड़ खोदरी गांव का रहने वाला था। उसके चाचा जितेंद्र ओसारी ने बताया कि छात्रावास अधीक्षक प्रकाश गिरवाल ने उसे फोन कर स्कूल में राज द्वारा मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने की शिकायत की थी। इस पर राज ने आत्महत्या करने या स्कूल से भाग जाने की धमकी दी। मध्य प्रदेश के खरगोन में ऐतिहासिक स्थल जाम गेट से 12वीं के एक छात्र ने कूदकर जान दे दी। स्कूल के अधिकारियों ने उसके मोबाइल फोन के इस्तेमाल और परिसर में सेल्फी लेने की कोशिश पर आपत्ति जताई थी। मंडलेश्वर क्षेत्र के गुलवाड़ में सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले और सरकारी छात्रावास में रहने वाले 17 वर्षीय आदिवासी छात्र राज ओसारी ने गुरुवार दोपहर को आत्महत्या कर ली। उसके रिश्तेदारों और एक गार्ड ने उसे ऐसा करने से रोकने की कोशिश की लेकिन वह उसे रोक नहीं सके।

पहले किया बलात्कार, फिर महिला को जिंदा फूंका! मणिपुर में उग्रवादियों का आतंक

नई दिल्ली। मणिपुर के जिरीबाम जिले से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है. जानकारी के मुताबिक गुरुवार (7 नवंबर) की रात एक 31 साल की आदिवासी महिला के साथ बलात्कार किया गया और फिर उसे जिंदा जला दिया गया. इस दौरान हथियारबंद हमलावरों ने गांव में ताबड़तोड़ फायरिंग के साथ लूटपाट और आगजनी की.बताया जा रहा है कि हमलावरों ने 17 घरों को जलाकर राख कर दिया. पुलिस के मुताबिक इस घटना में पीड़िता के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है. पुलिस ने एफआईआर में नस्लीय और सामुदायिक आधार पर बलात्कार और हत्या का उल्लेख किया है. पीड़िता के पति ने पुलिस को शिकायत दी और बताया कि ये कृत्य अवैध घुसपैठियों की ओर से किया गया था, लेकिन हमलावरों की पहचान अब तक नहीं हो पाई है. पुलिस सूत्रों के अनुसार संदेह है कि हमलावर मणिपुर के स्थानीय इलाकों से हो सकते हैं। इंडिजिनस ट्राइबल एडवोकेसी कमेटी ने बयान जारी कर कहा कि हमलावरों ने गांव में घुसते ही घरों में आग लगा दी और गोलीबारी की. इस दौरान गांव के लोग जान बचाने के लिए जंगल की ओर भागने लगे, लेकिन एक महिला फंस गई और उसकी बर्बरता से हत्या कर दी गई. ये घटना मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष की एक और भयावह घटना बन गई है. मणिपुर में चल रहा जातीय संघर्ष राज्य में विभाजन का

कारण बन चुका है. मणिपुर में बहुसंख्यक मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच लगातार संघर्ष हो रहा है जिससे राज्य में हिंसा का माहौल है. अब तक इस संघर्ष में 230 लोगों की मौत हो चुकी है और 50,000 लोग बेघर हो गए हैं. इस घटना ने राज्य की स्थिति को और भी उथल-पुथल में डाल दिया है. इस घटना के बाद आदिवासी संगठनों ने केंद्र सरकार से मणिपुर में कुकी-जोमी-हमार समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है. चुराचांदपुर के आदिवासी संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने भी इस जघन्य अपराध के जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है. इससे पहले मणिपुर में हुई हिंसा को लेकर गृह मंत्रालय ने संवाद की शुरुआत की थी, लेकिन स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है.

मणिपुर में चल रहा जातीय संघर्ष राज्य में विभाजन का कारण बन चुका है. मणिपुर में बहुसंख्यक मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच लगातार संघर्ष हो रहा है जिससे राज्य में हिंसा का माहौल है. अब तक इस संघर्ष में 230 लोगों की मौत हो चुकी है और 50,000 लोग बेघर हो गए हैं. इस घटना ने राज्य की स्थिति को और भी उथल-पुथल में डाल दिया है. इस घटना के बाद आदिवासी संगठनों ने केंद्र सरकार से मणिपुर में कुकी-जोमी-हमार समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है.

विधानसभा चुनाव में महायुति के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं, महाराष्ट्र के अकोला में बोले पीएम मोदी

अकोला। पीएम मोदी महाराष्ट्र के अकोला में रैली को संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इसके साथियों को न बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान की परवाह है, ना कोर्ट की और ना ही देश की भावना की। पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र का आशीर्वाद बीजेपी के साथ है। राष्ट्र प्रथम की भावना भारत की ताकत है। हमने 4 करोड़ पक्के घर बनाकर दिए हैं। पीएम ने कहा कि 2014 से 2024 के

10 वर्षों में महाराष्ट्र ने भाजपा को लगातार दिल खोलकर आशीर्वाद दिया है। भाजपा के ऊपर महाराष्ट्र के इस भरोसे की वजह भी है। इसकी वजह है महाराष्ट्र के लोगों की देशभक्ति, राजनीतिक समझ और दूर-दृष्टि। पीएम ने कहा कि आज 9 नवंबर है और ये 9 नवंबर की तारीख बहुत ही ऐतिहासिक है। आज के ही दिन 2019 में देश की सर्वोच्च अदालत ने राम मंदिर पर फैसला दिया था। 9 नवंबर की ये तारीख इसलिए भी याद रखी जाएगी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर धर्म के लोगों ने बहुत ही संवेदनशीलता का परिचय दिया। राष्ट्र प्रथम की यही भावना भारत की बहुत बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि विदर्भ का आशीर्वाद हमेशा मेरे लिए खास रहा है। अब एक बार फिर मैं विधानसभा चुनाव में महायुति के लिए आपसे आशीर्वाद मांगने आया हूं। पीएम ने कहा कि अगर कोई परिवार झोपड़ी में रह रहा है या कच्चे घर में रह रहा है तो उसकी जानकारी हमें दीजिए। मेरे लिए आप ही मोदी हैं। मैं पक्के घर का वादा पूरा कर दूंगा।

खाली कार में महिला की लाश, मारी गई गोली, पुलिस ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सभी को हैरान कर रखा है। दरअसल यहां लोग उस वक्त दंग रह गए, जब वहां एक कार में 27 वर्षीय महिला की लाश मिली। कार में मौजूद महिला की लाश जब लोगों को मिली तो आनन-फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस खतौली थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में पहुंची। जब पुलिस ने शिनाख्त की तो पता चला कि महिला को गोली मारी गई थी, क्योंकि महिला के शरीर पर गोली का घाव मौजूद था। बता दें कि पुलिस को शक है कि यह ऑनर किलिंग का मामला है। पूरी घटना खतौली थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव की है। इस घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक (शहर) सत्यनारायण प्रजापत ने पीटीआई भाषा से बात करते हुए कहा कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस की टीम पहुंची। मरने वाली महिला की पहचान हिमांशी के रूप में हुई है। इसकी गोली लगी लाश को कार में से बरामद किया गया है।

उन्होंने कहा कि पिता की मौत के बाद हिमांशी अपनी मां के साथ अपने मामा के घर रह रही थी। इस दौरान जब पुलिस ने और जांच की तो पता चला कि हिमांशी एक युवक के साथ रिलेशनशिप में थी। बता दें कि महिला के प्रेमी की पहचान 28 साल के विनीत कुमार के रूप में हुई है। बता दें कि लड़की के मामा और उसके दो बेटों सहित उसके परिवार के सदस्यों ने दोनों के रिश्ते को लेकर आपत्ति भी जताई थी। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने कहा कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है, लेकिन अभी मामला दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मृतका का शव एक खेत में बरामद किया गया था। घर के पुरुष सदस्य फरार चल रहे हैं और घर की महिलाओं से पूछताछ की जा रही है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा कि यह ऑनर किलिंग का मामला लग रहा है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। हालांकि यह तय है कि महिला की मौत गोली लगने के कारण हुई है।

दोस्ती हुई शर्मशार! दोस्त की पत्नी को ब्लैकमेल कर किया रेप

बुरहानपुरः मध्य प्रदेश के बुरहानपुर एक दोस्त ने दोस्ती के रिश्ते को कलंकित किया है। मामला लालबाग थाना क्षेत्र का है। यहां पर रहने वाली एक महिला ने पति के दोस्त पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि उसके पति के दोस्त ने उसे ब्लैकमेल कर साथ रेप किया है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने रेप का वीडियो बनाकर उसको ब्लैकमेल कर रहा है और पैसे भी मांग रहा है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह 2017 में हुआ था। शादी के कई साल बीतने के बाद भी कोई संतान नहीं है। मेरे घर के पडोस में मेरे पति का दोस्त रहता है। पति का दोस्त होने के कारण उस युवक से उसकी पहचान हो गई और फोन पर भी बातचीत होने लगी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा देखने को मिला है। यहां हाइवे पर खड़ी एक ट्रक को पीछे से आ रही बस ने टक्कर मार दी। इस घटना में बस में सवार 5 लोगों की मौत हो चुकी है और 9 यात्री घायल हैं। इसमें से एक यात्री का हालत गंभीर बताई जा रही है। बता दें कि यह बस मथुरा से लखनऊ जा रही थी। इसी दौरान फिरोजाबाद के पास बस हाईवे पर खड़े ट्रक से जा टकराई। बता दें कि इस बस में करीब 25 लोग सवार थे। इसमें 8 बच्चे भी शामिल थे। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, बस का ड्राइवर नशे की हालत में था, इस कारण बस से वह अपना नियंत्रण खो बैठा और हाइवे पर खड़े ट्रक से जा टकराया। बता दें कि इस घटना के बाद आनन-फानन में पुलिस को इसकी सूचना दी गई और आनन-फानन में एंबुलेंस को बुलाया गया। इसके बाद घटना में घायल लोगों को फिरोजाबाद के अस्पताल लाया गया। बता दें कि गंभीर रूप से घायल एक शख्स को आगरा रेफर कर दिया गया है। ये हादसा एक्सप्रेसवे पर फिरोजाबाद के नसीरपुर थाना इलाके में देखने को मिली है।

किडनैपर्स को दिया चकमा, मरने का किया नाटक तो बच गई जान

योग और मेडिटेशन का जीवन में कितना महत्व हो सकता है। क्या मेडिटेशन और योग इतना कारगर हो सकता है कि कोई व्यक्ति किडनैपर्स को चकमा देने के लिए अपनी सांसों को रोक ले और किडनैपर्स उसे मरा हुआ समझकर छोड़ जाएं। सुनने में अजीब लगता है लेकिन ऐसा एक मामला कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर जिले में देखने को मिला है। दरअसल यहां योग सिखाने वाली एक शिक्षिका को चार सुपारी किलरों ने कथित तौर पर अगवा कर लिया और उसके साथ मारपीट भी की गई। इस दौरान जब महिला की सांसें अचानक रुक गईं तो किडनैपर्स महिला को मरा हुआ समझकर उसे जंगल में फेंक कर फरार हो गए। घटना 24 अक्तूबर की है। गुरुवार को इस मामले में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिसके बाद यह मामला सामने आया।

बांग्लादेश में इस्कॉन और भक्तों पर हो रहा अत्याचार

नई दिल्ली। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से ही वहां के हिंदुओं पर अत्याचार देखने को मिल रहे हैं। इस बीच बांग्लादेश के इस्कॉन मंदिर और वहां के अनुयायियों पर अत्याचार हो रहा है।

इस्कॉन के पदाधिकारी पुजारी ने इसका विरोध किया है। उनका कहना है कि बांग्लादेश में इस्कॉन ने काफी कार्य किया है और वहां पर इस तरीके का कृत्य काफी दुखदाई है। इस्कॉन के अनुयायियों का कहना है कि वीडियो देखने के बाद रोंगटे खड़े हो जा रहे हैं। नागपुर इस्कॉन मंदिर के पुजारी ने कहा कि यदि इतिहास देखा जाए तो बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर में काफी अच्छे कार्य किए हैं। इस्कॉन ने कहीं पर भी दूसरों को दुख देने की बात नहीं की है और वहां पर किसी को इस्कॉन दुख नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह पता लगा है कि वहां पर धोती-कुर्ता पहनना मना है, टीका लगाना, गीता बांटना मना है। यह काफी गलत है। अबतक सबकुछ ठीक चल रहा था, अचानक ये वातावरण क्यों बिगड़ गया पता नहीं। हमारा धर्म दूसरे धर्म के प्रति हिंसा नहीं बताता, फिर हमें यह क्यों झेलना पड़ रहा है। हमें इस संबंध में सोचना चाहिए। इस्कॉन के पदाधिकारी का कहना है कि जब बांग्लादेश बना उस समय वहां की स्थिति काफी खराब थी, तो बांग्लादेश इस्कॉन ने वहां पर लोगों को राहत पहुंचाई। बांग्लादेश में जिस तरह अत्याचार हो रहा है, जो देखा जा रहा है, वह काफी गलत है।

पीलीभीत में मनचलों का कहर, नाबालिग लड़की को जहर खाने के लिए किया मजबूर

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में एक दिल दहलाने वाली घटना देखने को मिली है। यहां जहानाबाद क्षेत्र में स्कूल जा रही पांचवी कक्षा की छात्रा को मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने जहर खाने के लिए मजबूर कर दिया। पुलिस ने बताया कि सुसवार गांव निवासी रामगोपाल ने बताया कि उसकी भतीजी अंशिका (13) गजरौला क्षेत्र के देवीपुरा गांव के रामअवतार की बेटी है। उसपर सुबह करीब 9 बजे जेएमबी कॉलेज के पास हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि तीनों युवकों ने पहले उसे पकड़ा और रोका। इसके बाद बदमाशों ने वहां से भागने से पहले उसे जहरीला पदार्थ खाने के लिए मजबूर किया। सिटी सर्किल ऑफिसर दीपक चतुर्वेदी ने संवाददाताओं को बताया कि यह घटना जमीन विवाद से जुड़ी हुई प्रतीत होती है। चतुर्वेदी ने कहा, पीड़िता के पिता का उसके चाचा के साथ जमीन के बंटवारे का विवाद चल रहा है। इस मुद्दे पर रंजिश रखते हुए आरोपियों ने कथित तौर पर लड़की को रोका और उसे जहर खाने को मजबूर किया। उन्होंने कहा कि इस मामले पर विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे ने कहा, हम सीसीटीवी फुटेज और निगरानी डेटा के आधार पर सबूत जुटा रहे हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए और इस मामले की जांच के लिए चार पुलिस टीमें बनाई गई हैं और घटना की पुष्टि होने पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में रेलवे स्टेशन पर भीषण बम विस्फोट, 4 लकी मौत

बलूचिस्तानः पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में भीषण बम विस्फोट की जानकारी सामने आ रही है। इस घटन में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बलूचिस्तान के क्वेटा के रेलवे स्टेशन के पास यह बम विस्फोट हुआ है। प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि विस्फोट रेलवे स्टेशन के बुकिंग कार्यालय में ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचने से ठीक पहले हुआ। स्टेशन पर धमाके के वक्त भीड़ सामान्य थी। बावजूद हताहतों की संख्या अधिक होने का जोखिम है।

धमाके की सूचना पर पुलिस और बचाव कर्मी विस्फोट स्थल पर पहुंच गए हैं। क्वेटा के सिविल अस्पताल में आपातकाल लागू कर दिया गया और अतिरिक्त डॉक्टरों व सहायक कर्मचारियों को घायलों के इलाज के लिए बुलाया गया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, जाफ़र एक्सप्रेस सुबह 9 बजे पेशावर

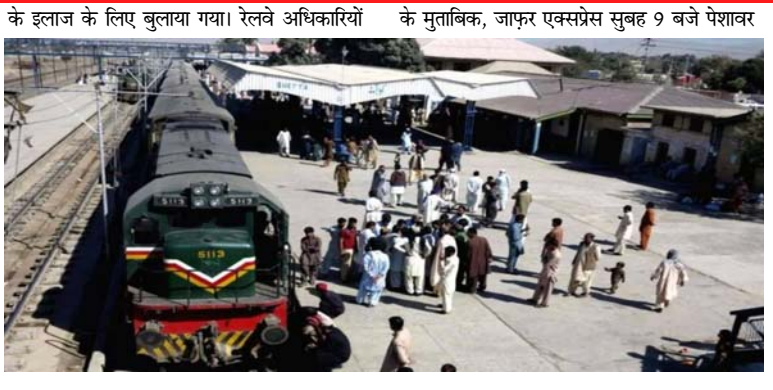

के लिए रवाना होने वाली थी। अधिकारियों ने बताया कि जब विस्फोट हुआ तब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर नहीं पहुंची थी। घायलों में से कई की हालत गंभीर होने के कारण विस्फोट से मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। कार्यवाहक राष्ट्रपति सैयद यूसुफ रजा गिलानी ने इस घातक घटना की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादी मानवता के दुश्मन थे, जिन्होंने निर्दोष लोगों को निशाना बनाया। गिलानी ने आतंकवाद के समूल नाश के लिए हर संभव कदम उठाने का संकल्प दोहराया। इस बीच, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने संबंधित अधिकारियों को घातक घटना की जांच करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने प्रांत से आतंकवाद के संकट को खत्म करने का संकल्प दोहराया।

चंबल अंचल व अंबाह परगना के ग्राम जौंहां के लाल ने खट्टे किए थे दुश्मनों के दांत

कैप्टन व चंबल के लाल ने बहादुर पोस्ट ग्लेशियर पर 8 नवंबर 1993 को पाकिस्तानियों के साथ लोहा लेते हुए कर दिए थे दुश्मनों के दांत खट्टे. 9 नवंबर 1993 को दुश्मनों की रैकी करते हुए हिमस्खलन मे वीरगति को लगाया गले

भीमसेन सिंह तोमर

अंबाह। चंबलांचल के लाल कसान वीर नारायण सिंह तोमर की शहादत दिवस पर आज उनके स्मारकपर अमर शहीद सम्मान सेवा संघ के सेवकों ने कैप्टन वीर नारायण स्मारक अंबाह पर पहुंचकर उनका पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी शहादत को याद व नमन किया। हम आपको बता दें चंबल के लाल कसान वीर नारायण सिंह तोमर ग्लेशियर में 9 नवंबर 1993 को वीरगति को प्राप्त हुए थे वह 8 नवंबर 1993 को पाकिस्तानी सेना के द्वारा लगातार की जा रही गोला बारी के मुंहतोड़ जवाब देने के बाद शेष दुश्मनों की रैकी के दौरान अचानक हिम स्खलन की चपेट में आने के बाद वीर गति को प्राप्त हुए। उनकी बहादुरी और वीरता को देखते हुए भारत सरकार ने 26 जनवरी 1994 को उनको सेना मेडल से सम्मानित किया । उसी शहादत को याद करते हुए शनिवार 9-11-उनके बलिदान को याद करते हुए अमर शहीद सम्मान सेवा संघ के सेवको ने उनके परिजनों को वीर नारायण कसान साहब की शहादत लिखी गाथा की सीनरी उनके भाई श्याम सिंह तोमर व चाचा जी को सप्रेम भेंट की इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी परिमाल सिंह परिहार,संघअध्यक्ष संदीप सिंह तोमर ,उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह तोमर ,सचिव विनेद्र सिंह तोमर, अजय अग्रवाल अधिवक्ता, सत्येन्द्र चौहान अधिवक्ता, भीमसेन सिंह पत्रकार थरा, भूरे ओझा, राजवीर सिंह तोमर,शशि भूषण शर्मा, समाजसेवी विकास लोहियाऔर भूतपूर्व सैनिक संगठन के सदस्य, स्कूली छात्र छात्राओं ने मौजूद रहकर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी शहादत को याद किया ।

पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में सीएम हेल्पलाइन लम्बित शिकायतों की समीक्षा की गई

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को सीएम हेल्प लाइन की लम्बित शिकायतों के निराकरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर सी.एम. हेल्पलाईन के तहत प्राप्त होने वाली शिकायतों/आवेदन पत्र/सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का शिविर लगाकर निराकरण करने के निर्देश दिये गये है। जिसमें राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि प्रतिदिन सीएम हेल्पलाईन से संबंधित शिकायतों की स्वयं समीक्षा करते हुए शिकायतकर्ता से विनम्रता पूर्वक चर्चा कर एवं उनकी जो भी शिकायत है उनपर वैधानिक कार्यवाही करते हुए शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित संतुष्टीप्रद निकाल करते हुये शिकायतकर्ता को की गई कार्यवाही से अवगत करायें।

महापर्व 2024 की मंडल कार्यशाला का आयोजन

गोरमी। जिला मीडिया प्रभारी संतोष सिंह भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी सदस्यता महापर्व 2024 की मंडल कार्यशाला का आयोजन नगर के थाना रोड स्थित थापक भवन पर किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्टी के पूर्व जिला महामंत्री सुरेंद जैन विशेष अतिथि के रूप में पार्टी के वरिष्ठ नेता जयवीर पुरोहित गोकुल सिंह परमार कमलेश वेशांदर मौजूद थे कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने की कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित अतिथियों ने पार्टी के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामां प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मालयन पर कर उनको नमन किया इसके बाद मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं 15 नवंबर से प्रारंभ हो रहे बूथ समितियों निर्माण अभियान की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला महामंत्री सुरेन्द्र जैन ने कहा की सदस्यता महा अभियान 2024 पार्टी के लिए राष्ट्रीय पर्व के समान है इसलिए हम सब कार्यकर्ता को पूरी ताकत से गांव गांव जाकर हर बूथ समिति में समाज के हर वर्ग के लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना है इसके लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा इसमें युवाओं की विशेष भूमिका है।इस अवसर पर अन्य तिथियां ने भी सदस्यता महा अभियान की सफलता के लिए अपने-अपने विचार रखें एवं शक्ति केंद्र एवं बूथ केंद्र की बैठकों की रूपरेखा भी बनाई गई ।कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री ऋषिकेश शर्मा ने किया एवं अंत में आभार प्रकट सदस्यता अभियान टीम के सदस्य श्री प्रेम प्रताप सिंह नरवरिया ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से पटेल यादव मंडल उपाध्यक्ष धुर्वा शर्मा मनीष अग्रवाल भान सिंह नरवरिया शिवराज यादव मोनू शर्मा ओमकार यादव विजय कुशवाह सोनू भदोरिया उत्तम शुक्ला प्रेम प्रताप नरवरिया डॉ वेद प्रकाश शर्मा रमाकांत शर्मा बृजकिशोर थापक महिला मोर्चा की मंडल उपाध्यक्ष ज्योति यादव गोपाल नरवरिया रिपुदमन सिंह भदोरिया गब्बर तोमर बल्लू सखवार हरिओम शर्मा विनय सिंह हर्ष पाराशर राहुल कटारे जहान सिंह जाटव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

महिला जागरूकता शिविर में पौष्टिक सामग्री वितरित की गई

भोपाल/विदिशा। सामाजिक संस्था भारती ग्रामोत्थान सामाजिक विकास संस्थान नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर सर्विसेस इनकॉरपोरेटेड के सहयोग से मेनोपॉज सिम्पटम्स योजना के अंतर्गत विदिशा के अंदरकिला बक्सरिया में लगाए विशाल जागरूकता शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर जरूरी दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही

महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान आने वाली समस्याओं के निराकरण के उपायों से अवगत कराया एवं महिलाओं को सुरक्षित जीवन जीने के उपाय बताए गए। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हंसा शाह, वरिष्ठ चिकित्सक रमेश सोनकर, डॉक्टर बद्री सिंह एवं डॉ. देवेंद्र सिंह ने महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ाने हेतु विभिन्न उपाय बताए। इस अवसर पर महिलाओं को विभिन्न प्रकार की दालें चावल, आटा, हरी मूंग, रोस्टेड चना एवं अन्य उपयोगी पौष्टिक सामग्री के साथ दूध पाउडर और प्रोटीन पाउडर का वितरण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक हंसा शाह ने कहा कि समाज में फैली गरीबी और आधुनिक जीवन शैली के चलते महिलाओं में पोषक तत्वों की कमी आ रही है। इस हेतु इस प्रकार के कार्यक्रम बहु उपयोगी साबित होते हैं। शिविर में मास्टर ट्रेनर श्रीमती इंदिरा शर्मा, सुश्री केसर जहां एवं प्रीति शर्मा ने भी महिलाओं को उनके जीवन उपयोगी सिद्धांतों से परिचय कराया। वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती इंदिरा शर्मा ने कहा कि महिलाएं न केवल चूल्हे चक्की तक सीमित रहती हैं बल्कि मध्य और गरीब घर की महिलाएं उचित खानपान खानपान , पोषक तत्वों के अभाव में शारीरिक रूप से कमजोर हो जाती हैं इस हेतु सामाजिक संस्था भारती ग्रामोत्थान सामाजिक विकास संस्थान के प्रयास सराहनीय हैं। शिविर का संचालन वरिष्ठ समाजसेवी वेद प्रकाश शर्मा ने सभी चिकित्सकों का आभार माना। शिविर में विशेष रूप से उपस्थित लायंस क्लब के अध्यक्ष अरुण सोनी ने भी महिलाओं को महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय महिलाएं हौसले की मजबूती के लिए जानी जाती हैं अतः परिवार जनों को महिलाओं की सुविधाओं का ध्यान रखना चाहिए। शिविर में करीब दो सो महिलाओं ने भाग लिया। साथ ही स्थानीय सामाजिक संगठनों ने विशेष सहयोग किया।

रामलीला में जामवंत-अंगद और हनुमान के बीच हुआ संवाद

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिले के ग्राम पंचायत जामपुरा में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी आदर्श श्री राम लीला कलामंडल का शुभारंभ हुआ । ग्राम पंचायत जामपुरा में 1962 में स्वर्गीय बब्बू सिंह भदौरिया ने पहली बार श्री रामलीला का शुभारंभ करवाया था,तब से प्रतिवर्ष ग्राम पंचायत जामपुरा में राम लीला का आयोजन होता आ रहा है । श्री राम लीला का शुभारंभ 1 नवंबर 2024 से हुआ है,जो 11 नवंबर 2024 को समापन होगी । इसमें भगवान श्री राम भगवान की सभी लीलाओं की प्रस्तुति दिखाई जाएगी,श्री राम लीला में ग्राम जामपुरा के

ही युवक इस श्री राम लीला में अलग अलग सभी प्रकार के किरदार निभाते है। आज ग्राम पंचायत जामपुरा में श्री राम लीला में कई प्रकार के संवाद प्रस्तुत किए गए,जो इस प्रकार है, जामवंत अंगद संवाद, जामवंत-हनुमान संवाद, सिंघिका वध, लंकिनी वध, हनुमान और विभीषण मिलन, रावण और सीता संवाद, हनुमान जी का अशोक वाटिका उजाड़ना एवं अक्षय कुमार वध,मेघनाथ हनुमान युद्ध ओर मेघनाथ द्वारा हनुमान जी को ब्रह्मास्त्र से बांधना, रावण हनुमान संवाद, लंका दहन, विभीषण शरणागति की कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दिखाई गई। रामलीला के मंच पर पत्रकार कुलदीप भदौरिया ने जामवंत का पाठ निभाया। राम लीला देखने के लिए आस- पास के ग्रामीणों और शहरों से बड़ी संख्या में भक्तगणों ने पंहुचकर श्री राम जी की लीला का भरपूर आनंद लिया।

जिला स्तरीय युवा उत्सवः अंबाह पीजी कॉलेज में सांस्कृतिक प्रतिभाओं की शानदार प्रस्तुति

मुरैना, (तारीख)। मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशन में एवं शासकीय कन्या अग्रणी महाविद्यालय, मुरैना द्वारा आवंटित जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन अंबाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया। इस आयोजन में मुरैना जिले के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरैना, शासकीय कन्या महाविद्यालय मुरैना, शासकीय महाविद्यालय बानमोर और अंबाह पीजी कॉलेज के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तीन विधाओं में आयोजित इस प्रतियोगिता में समूह लोक आदिवासी नृत्य, एकल शास्त्रीय नृत्य और एकांकी की प्रतिस्पर्धाएं संपन्न हुईं। समूह लोक आदिवासी नृत्य में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरैना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं शासकीय महाविद्यालय बानमोर ने द्वितीय और शासकीय कन्या महाविद्यालय मुरैना ने तृतीय स्थान पर अपनी जगह बनाई। एकल नृत्य (शास्त्रीय) प्रतियोगिता में अंबाह पीजी कॉलेज की अनुष्का चौहान ने प्रथम स्थान अर्जित किया, जबकि शासकीय महाविद्यालय मुरैना की पूनम द्वितीय स्थान पर रहीं तथा शासकीय कन्या महाविद्यालय की अनुष्का गौर तृतीय स्थान पर रहीं। एकांकी विधा में भी अंबाह पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, जबकि शासकीय पीजी कॉलेज मुरैना के विद्यार्थियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन के निर्णायक मंडल में मीनू श्रीवास्तव, रवि राघव और मुकेश तिवारी सम्मिलित रहे, जिन्होंने निष्पक्षता से निर्णय दिए। कार्यक्रम के उपरांत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विश्वास मेढेकर ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन नेहा तोमर द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया, और इस आयोजन का सफल संचालन युवा उत्सव प्रभारी डॉ. शशि वल्लभ शर्मा और डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

संभाग स्तरीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता ग्वालियर चंबल संभाग का समापन

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर=-प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रहलाद सिंह पटेल मंत्री श्रम पंचायत एवं ग्रामीण विकास मध्य प्रदेश शासन एवं अध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल को रखा गया था किन्हीं कारणों से उपस्थित नहीं हो सके अध्यक्षता राकेश शुक्ला मंत्री नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मध्य प्रदेश शासन की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें आर पी मिश्र सहायक कल्याण आयुक्त मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मंडल की देखरेख में प्रतियोगिता जैसे पुरुषों के लिए 100 मीटर 200 मी 400 मीटर 800 मीटर 1500 मीटर दौड़ भाला फेंक गोला फेंक तबा फेंक लंबी कूद ऊंची कूद समूह खेलों में कबड्डी वालीबाल प्रतियोगिता शामिल है इसी प्रकार महिला खिलाड़ियों के लिए 100 मी 200 मीटर दौड़ एवं कबड्डी प्रतियोगिता रखी गई है इस बर्ष दो नई प्रतियोगिता पुरुषों के लिए केरम और महिलाओं के लिए रस्सी कूद प्रतियोगिता शामिल की गई है रास्ता काशी में व्यक्तिगत प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी भी भाग ले सकते हैं जिनकी संख्या 8 से अधिक नहीं होगी सभी खिलाड़ी अपने ध्वज बैनर के साथ मैदान में उपस्थित होकर प्रतियोगिता में शामिल हो चुके हैं एक खिलाड़ी अधिकतम तीन खेलो विधाओं में भाग ले सकता है किसी विवाद की स्थिति में क्षेत्रीय अधिकारी का निर्णय अंतिम व सर्व मान्य होगा श्रीमती राजश्री किरार अध्यक्ष नगर परिषद मालनपुर एवं विशिष्ट अतिथि आर पी मिश्रा सहायक कल्याण आयुक्त मध्यप्रदेश एवं कल्याण मंडल मुकुल चतुर्वेदी कारखाना प्रबंधक सूर्या रोशनी लिमिटेड मालनपुर संतोष पाठक एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट मानव संसाधन एवं प्रबंधन एस आर एफ लिमिटेड देवेंद्र सिंह तोमर उप महाप्रबंधक मानव संसाधन नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड विजयपुर गुना अरविंद मिश्रा सदस्य मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मंडल एवं कार्यकारी अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ मध्य प्रदेश राजेंद्र नायक सदस्य मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति लोकेंद्र सिंह गुर्जर फाउंडर चेयरमैन बैकवर्ड क्लासेस इंडियन चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज रामविलास गोस्वामी सदस्य मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मंडल के आदित्य में संपन्न हुआ उपरोक्त कार्यक्रम में ग्वालियर संभाग से नेशनल फर्टिलाइजर विजयपुर गुना लिमिटेड आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर तक्षशिला लक्ष्य सिक्योरिटी परमानंद इंटरप्राइजेज एमपी हाईवे टोल प्लाजा ग्वालियर एवं मालनपुर सूर्या रोशनी लिमिटेड एसआरएफ लिमिटेड करलोन लिमिटेड गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड बामोर से जेके टायर वामोर आदि संस्थाओं ने भाग लिया जिसमें 525 श्रमिक खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया आर एफ लिमिटेड मालनपुर सुप्रीम नोवा इंडस्ट्रीज कार्यक्रम का समापन समारोह के मुख्य अतिथि दौलत सिंह चौहान कुलाधिपति आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर अध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट हॉकी इंडिया विशिष्ट अतिथि राजेंद्र सिंह नाती कार्यकारी अध्यक्ष मध्य प्रदेश इंटर संजय कुमार शर्मा अध्यक्ष बामोर इंडस्ट्रीज रजिस्ट्रेशन तपन बंदोपाध्याय यूनिट हेड सूर्य रोशनी लिमिटेड की आदित्य में संपन्न हुआ कबड्डी में सूर्या रोशनी लिमिटेड मालनपुर एवं वॉलीबॉल में नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड विजयपुर गुना विजेता रही महिला कबड्डी में सूर्या रोशनी महाराजपुर ग्वालियर विजेता रहे

संपादकीय

एक बार फिर ट्रंप

अपनी दूसरी पारी के लिये डोनाल्ड ट्रंप फिर अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। हालांकि, अमेरिका फर्स्ट को प्राथमिकता देने वाले ट्रंप की नीतियां व्यापार व आव्रजन के मुद्दे पर भारत के लिये परेशानियां खड़ी कर सकती हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच राष्ट्रपति के रूप में उनकी पहली पारी के दौरान कई मोर्चों पर निबटने का अनुभव जरूर मोदी सरकार के पास है। गाहे–बगाहे मोदी ट्रंप को अपने दोस्त के रूप में संबोधित करते रहे हैं। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि हाल के दिनों में भारत के खिलाफ तल्ख रवैया अपनाने वाले बाइडन प्रशासन की नीतियों में ट्रंप आमूल–चूल परिवर्तन कर देंगे। सारी दुनिया जानती है कि अमेरिकी नीतियां अमेरिका पर शुरू होकर अमेरिका पर भी खत्म हो जाती हैं। अपने चुनाव अभियान में भी ट्रंप भारत की आर्थिक संरक्षण की नीतियों की आलोचना कर चुके हैं। अमेरिका फर्स्ट की नीतियों के पैरोकार ट्रंप विगत में अमेरिका से आयात होने वाली हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर टैरिफ घटाने को लेकर भारत के प्रति नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। मूल रूप से व्यवसायी से राजनेता बने ट्रंप ने पहले कार्यकाल के दौरान भी अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देने को अपनी प्राथमिकता बनाया था। ऐसे में संभव है कि वे अमेरिकी उत्पादों व सेवाओं के संरक्षण को लेकर भारत के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाएं। वे अपने कई उत्पादों पर अपनी सुविधा के अनुरूप टैरिफ बढ़ाने के लिये भारत पर दबाव बना सकते हैं। साथ ही आशंका है कि वे भारतीय निर्यात पर टैरिफ बढ़ाकर हमारे लिये आर्थिक मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। जिससे भारत द्वारा अमेरिका से किया जाने वाला आयात भी महंगा हो सकता है। फलतरू भारतीय उपभोक्ताओं की मुश्किलें महंगाई वृद्धि से बढ़ सकती हैं। बहरहाल, ट्रंप की सफलता से अमेरिकी कारोबार जगत खासा उत्साहित है, जिसके चलते अमेरिकी शेयर बाजार खुशी से झूमा है। लेकिन इसके बावजूद हिंद प्रशांत में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका दोनों देशों के रक्षा संबंधों को मजबूती देगी। बहरहाल, यह एक हकीकत है कि ट्रंप एक बार फिर सत्ता में लौटे हैं और भारत तथा दुनिया को इस अप्रत्याशित चरित्र से निपटने के लिये तैयार रहना होगा। यह व्यक्ति एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताता है, वहीं भारत को अमेरिका के व्यापारिक हितों के विरुद्ध नीतियां बनाने वाला बताता है। यहां तक कि अपने चुनाव अभियान के दौरान भी ट्रंप अमेरिकी वस्तुओं पर भारी कर लगाने के लिये भारत की आलोचना कर चुके हैं। साथ ही अमेरिका को फिर से असाधारण रूप से संपन्न बनाने के लिये द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में 'जैसे को तैसा' की नीति अपनाने का आह्वान किया था। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि रिपब्लिकन प्रशासन अमेरिका को भारत से होने वाले 75 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात पर अधिक टैरिफ लगा सकता है। बहुत संभव है कि मोदी के मेक इन इंडिया अभियान तथा ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट नजरिये के साथ टकराव पैदा हो। अपने पहले कार्यकाल में एच–1बी वीजा में कटौती के प्रयास करने वाले ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में रोजगार आधारित आव्रजन पर प्रतिकूल असर हो सकता है। कूटनीतिक मोर्चे पर नई दिल्ली को उम्मीद होगी कि ट्रंप के साथ मोदी के बेहतर तालमेल के चलते गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले में मतभेद सुलझाने में मदद मिले। वैसे भी ट्रंप अमेरिकी न्याय विभाग और एफबीआई पर अविश्वास जताते हुए उन पर पक्षपाती होने के आरोप लगाते रहे हैं। उनका यह दृष्टिकोण इस जटिल मामले में भारत को राहत दे सकता है। वैसे ट्रंप से कुछ भी अप्रत्याशित करने की उम्मीद बनाये रखनी चाहिए। उम्मीद की जा रही है कि सामरिक मुद्दों , हथियारों के निर्यात, संयुक्त सैन्य अभ्यास व तकनीकी हस्तांतरण के मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन के साथ भारत का बेहतर तालमेल संभव है। पिछली पारी में राष्ट्रपति रहते हुए ट्रंप सरकार ने भारत के साथ बड़े रक्षा समझौते भी किए थे। जो फिर होने पर पाक व चीन के मुकाबले भारत को मजबूती दे सकते हैं। फिर भी कयास लगाए जा रहे हैं कि ट्रंप की सत्ता में वापसी भारत के लिये लाभदायक साबित हो सकती है।

रोटी, बेटी, माटी और आखिरी कतार का आदमी

सर्वमित्रा सुरजन

राहुल गांधी डरो मत का नारा देते आए हैं। बुधवार को अंग्रेजी और हिन्दी में उनका आलेख प्रकाशित हुआ है, इसमें भी राहुल गांधी ने डर से मुक्ति पाने और व्यापार के एकाधिकार को तोड़ने की बात कही है।

मंगलसूत्र की चोरी और भैंस खोल कर ले जाने जैसी लचर, बेतुकी और अशिष्ट टिप्पणी के बाद चुनाव के बाजार में ताजातरीन निकृष्ट टिप्पणी है– श्घुसपैठिए आपकी बेटियों को छीन रहे हैं, जमीन हड़प रहे हैं और आपकी रोटी खा रहे हैं। पाठक जानते हैं ये भाषा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की है। अपनी भाषायी गिरावट में वे खुद ही हर बार नया रिकार्ड बनाते चले जा रहे हैं। बेटियों को छीनने की बात उन्होंने इस तरह कही है, मानो लड़कियां कोई सामान हों। जिस मंच से वे सीता सोरेन और शाइना एनसी पर इंडिया गठबंधन के नेताओं की टिप्पणियों की निंदा कर रहे हों, उसी मंच से वे बेटियों के मामले में मध्ययुगीन भाषा का इस्तेमाल करते हुए हिचक नहीं रहे। जमीनों का अतिक्रमण या चोरी हो सकती है, रोटी यानी रोजगार का हक भी मारा जा सकता है, लेकिन बेटी छीनना सीधे–सीधे एक गंभीर आरोप की तरफ इशारा करता है, जिसे मानव तस्करी कहा जाता है। क्या प्रधानमंत्री मोदी झारखंड में इस गंभीर अपराध की बात कर रहे थे, अगर नहीं, तो फिर उन्हें खुलासा करना चाहिए कि आखिर बेटी छीनने से उनका तात्पर्य क्या था। क्या रोटी और माटी के साथ यह महज तुकबंदी थी और ऐसा नहीं है तो फिर एक जिम्मेदार शासक की तरह बताना चाहिए कि झारखंड के मामले में ये गंभीर इल्जाम उन्होंने क्यों लगाए और इसका क्या सबूत उनके पास है कि बेटियों को छीना जा रहा है। श्री मोदी से पहले गृहमंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उठा चुके हैं। तीनों ही जिम्मेदार पदों पर बैठे हैं, तो जाहिर है उनके पास सारी खुफियां सूचनाएं और आंकड़े भी होंगे, जो ये बता रहे होंगे कि झारखंड की सामाजिक, जातीय, धार्मिक और आर्थिक संरचना को नुकसान पहुंचाने का काम किस तरह हो रहा है और इसमें बांग्लादेशी घुसपैठियों के आंकड़े कितने हैं। अब तक आधिकारिक तौर पर तो भाजपा ने कोई आंकड़े पेश नहीं किए हैं, लेकिन पूरे चुनाव में इसी को एक अहम मुद्दा बना कर भाजपा झामुमो–कांग्रेस सरकार को घेर रही है। जाहिर है कि लोकसभा चुनावों की तरह एक बार फिर श्री मोदी असल मुद्दों को छोड़कर भावनाओं में उलझाने की सियासी चाल चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी दावा करते हैं कि उन्होंने तपस्या की है, भिक्षाटन से पेट भरा, फकीर है, झोला उठा कर चले जाएंगे। हालांकि दावा तो यह भी है कि वे खुद में दैवीय अंश महसूस करते हैं। हिंदुस्तान में भिक्षुओं और फकीरों की जो परंपरा रही है, उसमें वैराग का भाव समाहित रहा है। गलियों में घूमते हुए, इस दुनिया के सृजनहार की शान में गीत गाते हुए ये फकीर–महात्मा पेट भरने के लिए भिक्षा लेते और बदले में ज्ञान के ढेर सारे मोती बिखेर देते। श्री मोदी की फकीरी इस परंपरा की तो कतई नहीं लगती। हां, बहुत से बच्चों को उनकी मांएं इस बात से जरूर डराती रही हैं कि साधु बाबा आएगा और अपने झोले में भरकर ले जाएगा, क्या श्री मोदी भी इसी किस्म का डर दिखा रहे हैं या उनका अब तक ओझल झोला, इस डर को फैलाने के लिए ही है। नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं, तो कायदे से उनका काम लोगों के मन से डर निकालना होना चाहिए। मगर इस समय उल्टी गंगा बह रही है। प्रधानमंत्री काल्पनिक, मनगढ़ंत चोरियों का डर जनता को दिखा रहे हैं और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लोगों के मन से डर को निकालने की मुहिम छेड़े हुए हैं। राहुल गांधी डरो मत का नारा देते आए हैं। बुधवार को अंग्रेजी और हिन्दी में उनका आलेख प्रकाशित हुआ है, इसमें भी राहुल गांधी ने डर से मुक्ति पाने और व्यापार के एकाधिकार को तोड़ने की बात कही है। अपने आलेख की शुरुआत राहुल गांधी ने ईस्ट इंडिया कंपनी के उदाहरण से की कि कंपनी ने भारत की आवाज को कुचला, हमारे राजा–महाराजाओं और नवाबों की साझेदारी से, उन्हें रिश्वत देकर और धमका कर भारत पर शासन किया था। उसने हमारी बैंकिंग, नौकरशाही और सूचना नेटवर्क को नियंत्रित कर लिया था। हमने अपनी आजादी किसी दूसरे देश के हाथों नहीं गंवाई, हमने इसे एक एकाधिकारवादी निगम के हाथों खो दिया, जो हमारे देश में दमन तंत्र को चलाता था। देश में एक नयी गुलामी किस तरह कायम की जा रही है, ये समझाने के लिए राहुल गांधी ने लिखा कि ईस्ट इंडिया कंपनी भले ही 150 साल पहले खत्म हो गई हो, लेकिन उसने जो डर पैदा किया था, वह आज फिर से दिखाई देने लगा है। एकाधिकारवादियों की एक नई पीढ़ी ने इसकी जगह ले ली है। परिणामस्वरूप जहां भारत में हर किसी के लिए असमानता और अन्याय बढ़ता जा रहा है, वहीं यह वर्ग अकूत धन एकत्रित करने में लगा है। हमारी संस्थाएं अब हमारे लोगों की नहीं रहीं। वे एकाधिकारवादियों के आदेश मानती हैं। नोटबंदी से लेकर जीएसटी और कोरोना लॉकडाउन के दौरान भी अरबों का मुनाफा कमाने वाले लोगों के पीछे कौन सी शक्तियां, कौन सी सोच और कौन सी राजकीय सहायता काम कर रही थी, इसे लेकर पहले भी कई बार राहुल गांधी अलग–अलग तरह से खुलासा कर चुके हैं, इस लेख के माध्यम से फिर उन्होंने एक नए उदाहरण के साथ प्रधानमंत्री मोदी और उनके उद्योगपति मित्रों के बारे में लोगों को बताया है। लेकिन राहुल गांधी केवल आरोप लगा कर खामोश नहीं हो गए, उन्होंने टाइटनोर, इनमोबी, मान्यवर, जोमैटो, जैसी युवा पीढ़ी के व्यवसायों और एल एंड टी, हल्दीराम, अरविंद आई हास्पिटल, इंडिगो जैसी पुरानी पीढ़ी के व्यवसायों का नाम लिखकर यह भी बताया कि इन लोगों ने अपने व्यापार में नवाचार किया, एकाधिकार को चुनौती दी, अनुसंधान किए और रोजगार के नए अवसर बनाए। जिस तरह इन लोगों ने चुनौतियों का सामना किया, वही जज्बा व्यापार में संलग्न सभी लोगों में होना चाहिए, तभी एकाधिकार खत्म किया जा सकेगा, यह श्री गांधी का मानना है। उन्होंने लिखा कि मेरा इन व्यवसायियों से व्यक्तिगत परिचय नहीं है, न ही इनकी राजनैतिक प्राथमिकताएं मैं जानता हूं लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है। उनका मुख्य मकसद निष्पक्षता और समान अवसर के लिए आवाज उठाना है, कमजोर और बेजुबान लोगों के हितों की रक्षा करना है। राहुल गांधी का यह लेख एक तरह से उनकी भारत जोड़ो यात्रा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा में व्यक्त किए गए विचारों का सार ही है, जिसे उन्होंने नए उदाहरणों, नए नामों के साथ जनता के बीच प्रस्तुत किया है। हरियाणा चुनाव में मिली हार और जम्मू–कश्मीर में आशा के अनुरूप सीटें हासिल न करने पर राहुल गांधी चाहते तो महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों को ध्यान में रखकर तात्कालिक लाभ हासिल करने वाली बातें करते।

ट्रम्प फिर बने अमेरिकी प्रेसिडेंट

राष्ट्रपति अभिभाषण पर बहस और उसके बाद : निर्वाचित तानाशाही की ओर एक और कदमराष्ट्रपति का निराशाजनक अभिभाषण

अमेरिका में राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत कर दुनिया का सबसे ताकतवर पद फिर से पाने में डोनाल्ड ट्रम्प को सफलता मिल गयी है। साथ ही अमेरिका पहली महिला राष्ट्रपति पाने से वंचित रह गया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार चार साल के अंतराल में किसी को दो बार यह पद प्राप्त करने का मौका मिला है। इसके पहले 1884 और 1892 में ग्रोवर क्लीवलैंड ने यह उपलब्धि हासिल की थी। अपने पहले कार्यकाल में अनेक मामलों में अलोकप्रिय हो चुके ट्रम्प की इस बार की जीत इस मायने में बड़ी है कि अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में से सीनेट में उनकी रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत मिल गया है तथा हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में कांटे का संघर्ष इन पंक्तियों के लिखे जाने तक जारी था। बहुमत नहीं भी मिलता तो भी उसकी सदस्य संख्या तगड़ी है। इससे उन्हें फैसले लेने तथा काम करने में आसानी होगी। अपने पहले उद्बोधन में ट्रम्प ने अमेरिका को फिर से महान बनाने का अपना इरादा जतलाया और यह भी कहा कि श्भगवान ने उनकी जान इसी दिन के लिये बचाई थी। गौरतलब है कि 13 जुलाई को चुनाव प्रचार करने के दौरान उन पर एक युवक ने गोली चलाई थी जो उनके कान को जख्मी करती हुई गुजर गयी थी। उनकी प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस (उप राष्ट्रपति) उन श्स्विंग स्टेट्सद्ठा कहे जाने वाले राज्यों में पिछड़ गयीं जो हार–जीत को तय करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव समझने वाले जानते हैं कि वहां के ज्यादातर राज्य परम्परागत रूप से अपनी पसंदीदा पार्टी के ही उम्मीदवार को चुनते हैं– चेहरा चाहे कोई भी हो। कुल 538 में 270 सीटें पाना बहुमत के लिये जरूरी हैं। इसे इलेक्टोरल कॉलेज वोट्स कहा जाता है। 7 स्विंग स्टेट में अक्सर मार्जिन बड़ा कम होता है जहां 93 सीटें हैं। इनका पलड़ा जिस उम्मीदवार की तरफ झुकता है, उसे व्हाइट हाउस में रहने का अधिकार मिल जाता है। इनमें से सभी, खासकर अलास्का, नेवादा तथा एरिजोना में ट्रम्प की जीत बहुत आश्चर्यजनक है जो अक्सर डेमोक्रेट्स को जिता देते हैं। 2021 का चुनाव ट्रम्प इन्हीं राज्यों की बदौलत हारे थे क्योंकि इन सात में से उन्हें केवल एक में ही विजय नसीब हुई थी। इन राज्यों में जीत पर स्वयं ट्रम्प चकित हैं। वैसे तो इस नतीजे का जैसे–जैसे विश्लेषण होगा, जय–पराजय के कारणों का और भी खुलासा होगा। प्रथम दृष्टया जो कारण नजर आते हैं, उनमें से प्रमुख है जो बाइडेन का कमजोर प्रशासन। उनकी इस कमजोरी का खामियाजा हैरिस को भुगतना पड़ा। वोटर इस बात से आकर्षित नहीं हुए कि यदि वे कमला हैरिस को जिताते हैं तो देश को पहली महिला राष्ट्रपति हासिल होगी। वे पहली उप राष्ट्रपति तो हैं ही। पहले कार्यकाल के दौरान बात–बात में झूठ बोलने के लिये ट्रम्प की आलोचना करने वाले अमेरिका ने उन्हें ही गद्दी प्रदान की। दुनिया के सर्वाधिक अमीर राजनेताओं में से एक ट्रम्प हैं जिनकी कुल सम्पत्ति 6.6 बिलियन डॉलर मानी जाती है। अनेक महलनुमा मकानों व कम्पनियों के मालिक ट्रम्प अमेरिकियों को एक बात महसूस कराने में सफल हो गये, वह यह कि उनके रहते दुनिया मर में कोई बड़ी लड़ाई नहीं हुई। पिछले कुछ वर्षों से रूस व यूक्रेन और अब इजरायल–फिलीस्तीन युद्धों के लिये बाइडेन को चाहे सीधे जिम्मेदार न ठहराया जा रहा हो, पर यह माना जा रहा है कि वैश्विक नेता के रूप में अमेरिका सुलह कराने में नाकाम रहा। दोनों लड़ाइयों में हो रहा जनसंहार अमेरिकियों को विचलित कर रहा है। ट्रम्प को कारोबार जगत से भी बड़ा समर्थन मिला। दुनिया के सबसे बड़े और हमेशा कुछ नया करने के लिये विख्यात कारोबारी इलॉन मस्क खुलकर ट्रम्प के समर्थन में काम कर रहे थे। इस बात का उन्होंने खास जिक्र जीत के बाद समर्थकों के बीच दिये अपने भाषण में यह कहकर किया कि इलॉन स्टार है। प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने रॉकेट की तरह उड़ान भरी।द्ठा अपने अनेक कामों के अलावा अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स को सुरक्षित धरती पर लाने के लिये मस्क के प्रयासों की वहां तारीफ हुई है जबकि माना यह गया कि बाइडेन ने इसमें रुचि न दिखाते हुए सारी जिम्मेदारी नासा के वैज्ञानिकों पर छोड़ रखी थी। मस्क की लोकप्रियता का भी लाभ ट्रम्प को मिलता हुआ दिख रहा है। ट्रम्प की जीत को पूंजीवाद में अमेरिका के भरोसे के रूप में भी देखा जा रहा है। इसके कारण अमेरिका के साथ आस्ट्रेलिया एवं कनाडा के शेयर बाजारों में उछाल आया है। भारत का बाजार भी चढ़ा है। ट्रम्प की जीत को यदि भारत के लिहाज से देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी उन्हें अपना न केवल मित्र बताते रहे हैं वरन पिछले चुनाव में वे बाकायदे उनका यह कहकर प्रचार भी कर आये थे– श्अबकी बार ट्रम्प सरकार।द्ठा इसके चलते मोदी की खासी किरकिरी हुई थी। इसलिये इस बार उन्होंने ऐसी कोई गलती नहीं की। देखना होगा कि ट्रम्प के आने से भारत को क्या फायदा होता है। विदेशी निवेश और पूंजी प्रवाह बढ़ने की आशा तो है पर ट्रम्प निर्यात हेतु भारत पर अमेरिकी वस्तुओं के लिये अधिक रियायत मांग सकते हैं। साथ ही भारतीयों को वीजा में परेशानी हो सकती है क्योंकि पिछली बार ट्रम्प ने एच–1बी वीजा पर प्रतिबन्ध लगा दिया था। भारत की व्यापार नीतियों के वे आलोचक भी रहे हैं। अप्रवासियों के प्रति ट्रम्प का रवैया कठोर रहा है। अमेरिका एवं कनाडा की विदेश नीति लगभग एक ही तरह से चलती है। फिलहाल भारत–कनाडा रिश्ते कटु चल रहे हैं। वहां हुई कुछ हिंसक घटनाओं के लिये कनाडा ने भारत सरकार को जिम्मेदार माना है। गृह मंत्री अमित शाह का नाम तक उसमें घसीटा गया है। ट्रम्प के आने से भारत के प्रति अमेरिकी रवैया देखना होगा। वैसे ट्रम्प ने अपनी जीत के लिये अरब एवं मुसलमानों का विशेष धन्यवाद दिया है। वहां रहने वाले भारतीयों का उल्लेख नहीं हुआ है।

झारखंड और महाराष्ट्र चुनाव के यक्ष–प्रश्न

अरविन्द मोहन

लोकतंत्र में चुनाव बहुत बड़ी चीज है। और अगर मामला चुनाव में नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी के मुख्य भूमिका में होने का हो तब चुनाव और भी बड़ी चीज बन जाती हैं। इसे देखना समझना हो तो मौजूदा दो विधान सभाओं, महाराष्ट्र और झारखंड ही नहीं देश भर में हो रहे दो दर्जन के करीब के उपचुनावों को भी देखना चाहिए। कायदे से उप चुनावों का ज्यादा मतलब नहीं होता और कहीं सहानुभूति तो कहीं उम्मीदवार के दम के आधार पर निर्णय हो जाता है। लेकिन इस बार जो उप चुनाव उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में हों रहे हैं उनमें भी भाजपा (और विपक्ष ने भी) ने भी सारा जोर लगाया है। बिहार में तो काफी समय से जमीनी स्तर पर जुटे प्रशांत किशोर के जन स्वराज द्वारा उम्मीदवार उतारने से मुकाबले दिलचस्प बने हैं तो उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भाजपा सचमुच युद्ध स्तर पर लगी हुई है। जाने कब से एक एक सीट पर कई–कई मंत्रियों को लगाया गया है और माना जा रहा है कि कुछ स्थानीय फीड–बैक के बाद ही भाजपा से जुड़े लोगों ने चुनाव को एक हफ्ता टालने ला प्रयास शुरू किया जिसे चुनाव आयोग ने मान लिया। वैसे आयोग ने हरियाणा और जम्मू–कश्मीर विधान सभाओं के चुनाव के साथ ये उप चुनाव क्यों नहीं कराए यह भी एक बड़ा प्रश्न बना हुआ है। और महाराष्ट्र तथा झारखंड के चुनाव भी साथ क्यों नहीं कराए गए यह सवाल तो एक राष्ट्र, एक चुनाव के अभियान पर सवाल खड़े कर ही रहा है। झारखंड में कम लेकिन महाराष्ट्र में टिकट बांटने और बागियों को संभालने में भाजपा और शिवसेना को जितना पसीना बहाना पड़ा उससे कुछ अंदाजा तो लगता ही है कि भाजपा नेतृत्व इस अनुशासनहीनता या अराजकता को अन्य राज्यों में पसरने देना नहीं चाहता था। ऐसी अफरातफरी हरियाणा में दिखी, एक हद तक जम्मू–कश्मीर में भी हल्ला हुआ, लेकिन एक साथ महाराष्ट्र जैसा हंगामा सब जगह होता तो अनुशासित और काडर आधारित पार्टी होने का भाजपा का दावा और मोदी–शाह का इकबाल कहां ठहरता। और भले ही भाजा तथा मोदी–शाह का मिशन कश्मीर धरातल पर आ गया लेकिन हरियाणा की अप्रत्याशित जीत ने कुछ हद तक मोदी–शाह का इकबाल फिर से बुलंद किया है, लोक सभा चुनाव के नतीजों से चिहुँका मीडिया फिर से राग मोदी अलापने लगा है। इसलिए महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव को कुछ समय लेकर कराने का फैसला भाजपा को लाभ देता दिखता है। झारखंड में शिवराज चौहान और हिमांत बिसवा सरमा की जोड़ी ने काफी ग्राउंडवर्क किया है। उधर महाराष्ट्र की महायुती सरकार ने भी वोट बटोरने के उद्देश्य से की लोक लुभावन कार्यक्रम शुरू किए हैं जिनका लाभ उसे मिलेगा। ऐसे में चुनाव कुछ ज्यादा दिलचस्प हों गए है। लोक सभा चुनाव ने न सिर्फ मोदी–शाह की चमक हल्की की थी बल्कि महाराष्ट्र और झारखंड में इंडिया गठबंधन को साफ लीड दी थी। अब सरमा–चौहान की जोड़ी ने झारखंड में लीड कम की है, यह आम राजनैतिक पंडित मानते हैं। इसमें हेमंत सोरेल के जेल जाने पर झारखंड का मुख्यमंत्री रहे चंपई सोरेन को भाजपा में शामिल कराना, बाबूलाल मरांडी की पार्टी के विलय के साथ उनका चेहरा आगे करना, सुदेश महतो के नेतृत्व वाले आजसू को वापस साथ लाना, मधु कोडा और अर्जुन मुंडा को भी संभाले रखने जैसे काफी काम हुए हैं जिनसे हवा बदलने का एहसास होता है। पर हेमंत और झारखंड के साथ भाजपा नेतृत्व जो व्यवहार करता रहा है उससे आदिवासियों में जो गुस्सा रहा है वह कितना काम होगा यह कहना अभी भी मुश्किल है। फिर राज्य में मुसलमान और ईसाई आबादी का अनुपात ठीकठाक होना भी भाजपा के लिए चिंता की लकीर खींचता है। पर कुड़मी और ओबीसी समाज में बेहतर पकड़ के बाल पर भाजपा मजबूती से मैदान में डटी है। अगर वह आदिवासी वोटों में बंटवारा करने में सफल होगी तब उसकी जीत आसान होगी। लेकिन हिमांत सरमा की अगुआई उसने घुसपैठ राग अलापना शुरू किया है जो फायदा करेगा या नुकसान यह अभी बताना मुश्किल है। अभी तक तो उससे ज्यादा लाभ होता नजर नहीं आता। उधर इंडिया गठबंधन को भी आपसी सहयोग का माहौल बनाने में जितनी सफलता मिलेगी, उसके सत्ता बचाना उतना आसान बन जाएगा। झारखंड में अगर एनडीए या भाजपा ने लोक सभा चुनाव के बाद कुछ खोई जमीन वापस पायी है तो महाराष्ट्र के लिए ऐसा कहना संभव नहीं है। पूरे पाँच साल इस राज्य में सिद्धांतहीन खुली राजनीति का जो दौर चला है उसका बहुत साफ परिणाम चुनाव पर दिखता है। छह टुकड़ों वाली राजनीति की सबसे कमजोर कड़ी अजीत पँवार वाली एनसीपी को साथ रखने से शासक महायुती सरकार की सारी वॉटबटोरू नीतियां बेअसर होती लगती हैं। दोनों बड़े गठबंधनों में आखिरी समय तक टांग–खिंचाई जारी थी और बागी उम्मीदवारों तथा कथित दोस्ताना संघर्षों ने सारे बड़े नेताओं के पसीने छुड़ा दिए है। जितने दांव–पेंच विपक्ष के खिलाफ चलाने थे उससे ज्यादा गठबंधन के अंडर अपनी–अपनी सीटें बढ़ाने में चले गए। कांग्रेस ने लोक सभा में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के नतीजों ने उसका सिर नीचे किया जिसका लाभ उसके सहयोगी दलों ने भरपूर उठाया। हां, मनोज जरांगे पाटील द्वारा मराठा आरक्षण के सवाल को खुद ही हवा–हवाई बना देने से शासक जमात को कुछ राहत मिली। महाराष्ट्र में पैसों का काफी जोर रहा है, इस बार जातिगत जोड़–तोड़ ज्यादा हावी होगा। महाराष्ट्र में भाजपा अपने एक स्टार योगी आदित्यनाथ का एक नारा लेकर आई है–बटेंगे तो काटेंगे। लेकिन भाजपा या उसकी अगुआई वाली महायुती हिन्दू–मुसलमान सवाल को चुनाव में सबसे ऊपर ला पाएगी इसमे शक है। बल्कि लेख लिखे जाने तक भी एनसीपी के नाबाब मालिक मैदान में डटे हैं जिन्हे भाजपा दाऊद का आदमी बता रही है और जिनके खिलाफ काफी मामले चल रहे है। वे जेल भी रहे हैं।

संजय गांधी अस्पताल में नंबर से चलेगी एंबुलेंस, बिना रजिस्ट्रेशन की एंबुलेंस पर लगेगा प्रतिबंध

एंबुलेंस संचालकों की मनमानी पर रोक लगाने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने अस्पताल प्रबंधन सहित अमहिया थाना प्रभारी की पहल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले की शासकीय अस्पतालों में एंबुलेंस चालकों की मनमानी में रोक लगाने और मरीज सहित उनके अटेंडर की परेशानियों को देखते हुए। संजय गांधी के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा व अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल द्वारा एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सभी एंबुलेंस संचालक मौजूद रहे। इस दौरान अधिकारियों ने पहले उनकी समस्याएं सुनी और जानी जिसका निराकरण निकलते हुए निर्णय लिया गया कि अब एंबुलेंस का संचालक कम्बद्ध तरीके से किया जाएगा। अब प्रतिदिन एंबुलेंस नंबरिंग के हिसाब से संचालित कराई जाएंगी। इसके साथ ही उन एंबुलेंस को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। जिसका रजिस्ट्रेशन नहीं है। अस्पताल अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा ने बताया कि एंबुलेंस संचालको की मनमानी को रोकने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से यह प्रयास किए जा रहे है। वहीं अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बताया कि कई बार थाने में शिकायत आती है कि एंबुलेंस संचालको द्वारा मनमानी किराया वसूला जा रहा है। साथ ही कई बार विवाद की स्थिति भी निर्मित हुई है। जिसके चलते बैठक कर कुछ प्रमुख निर्णय लिए गए है। जिसके बाद अब एंबुलेंस संचालको को इन निर्णय का पालन करना अनिवार्य किया गया है।

राज्यपाल ने बीहर रिवर फ्रंट का किया लोकार्पण

बीहर नदी के अविरल जल प्रवाह को देखकर अभिभूत हुए राज्यपाल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने रीवा शहर के मध्य से प्रवाहित बीहर नदी के तट पर बनाये गये बीहर रिवर फ्रंट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बीहर रिवर फ्रंट रीवा के लिये अनुपम सौगात है। उन्होंने अनुष्ठानिक रीति से मंगलाचरण के बीच शिला पट्टिका का अनावरण कर रिवर फ्रंट जनता को समर्पित किया। इससे पूर्व राज्यपाल जी का बीहर रिवर फ्रंट के मुख्य द्वार पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा के प्रसिद्ध सुपारी से निर्मित विन्ध्नहर्ता भगवान श्री गणेश की प्रतिमा भेंट कर अभिनंदन किया।

बीहर रिवर फ्रंट के लोकार्पण के उपरांत राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल इलेक्ट्रिक कार में सवार होकर बीहर रिवर फ्रंट के पाथ वे से होकर पचमठा आश्रम पहुंचे। इलेक्ट्रिक कार में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राज्यपाल महोदय को रिवर फ्रंट के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में नदी के एक किनारे में 1600 मीटर लम्बाई का रिवर फ्रंट का निर्माण कराया गया है। बीहर नदी के अविरल जल प्रवाह को देखकर राज्यपाल जी अविभूत हो गये। राज्यपाल ने पचमठा आश्रम पहुंचकर माँ बीहर की पूजा अर्चना कर आरती उतारी। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने पचमठा के ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व से राज्यपाल जी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कैमोर पर्वत से

निकली बीहर सलिला के तट पर स्थित रीवा पचमठा का इतिहास अति प्राचीन है। जगद्गुरू शंकराचार्य जी ने धर्म दिग्विजय अभियान के दौरान यहां प्रवास किया था। आचार्य शंकर ने चारों दिशाओं में ज्योर्तिमठ, श्रृंगेरीमठ, गोवर्धनमठ तथा द्वारिकामठ की स्थापना की थी। उनकी परिकल्पना मध्यभारत में पाँचवे मठ की स्थापना की थी यह पाँचवा मठ है। पचमठा में चारों मठों की प्रतिकृति बनाकर इनका इतिहास प्रदर्शित किया गया है। राज्यपाल जी ने पचमठा का प्राचीनतम इतिहास जानकर कहा कि यहां आकर आध्यात्मिक एकात्म के उद्बीण की अनुगूंज ह्मदय में स्पंदित होती है। राज्यपाल जी ने पचमठा आश्रम के अतिप्राचीन शिव मंदिर में पूजा अर्चना भी की। उल्लेखनीय है कि बीहर रिवर फ्रंट के प्रथम चरण का निर्माण म.प्र. ग्रह निर्माण मंडल एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा 25 करो? रूपये की लागत से किया गया है। इसके तहत नदी के वांये तट में बाबा घाट से कोतवाली घाट तक 1600 मीटर लम्बे रिवर फ्रंट में ग्रेविटी बाल, पाथवे ग्रीन टी एरिया का निर्माण किया गया है। कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, संसाद श्री जनार्दन मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, भाजपा अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, पूर्व मंत्री श्री पुष्पराज सिंह, पूर्व विधायक के.पी. त्रिपाठी, कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी एमएस सिकरवार, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा संभ्रातजन उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने इंजीनियरिंग कालेज के स्वागत द्वार तथा ओपेन थियेटर का किया लोकार्पण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा इंजीनियरिंग कालेज के हीरक जयंती समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल रीवा इंजीनियरिंग कालेज पहुंचे। राज्यपाल ने इंजीनियरिंग कालेज के पूर्व विद्यार्थियों द्वारा निर्मित भव्य स्वागत द्वार का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने कालेज के प्रवेश के द्वार के समीप ही बनाए गए मुक्ताकाश ओपेन थियेटर का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर बाबा अलाउदीन खान के द्वारा स्थापित मैहर बैण्ड के कलाकारों ने मोहक धुन प्रस्तुत की। इसका निर्माण 55 लाख रुपए की लागत से कराया गया है। इसके बाद राज्यपाल श्री पटेल ने इंजीनियरिंग कालेज में विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई भविष्य के ज्ञान-विज्ञान की झलक देने वाली टेकफेस्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों से उनके द्वारा प्रदर्शित उपकरणों की जानकारी ली। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, सांसद श्री जनार्दन मिश्र, विधायक इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री पटेल का रीवा एयरपोर्ट पर किया गया आत्मीय स्वागत

रीवा। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल विशेष विमान से अपने एक दिवसीय प्रवास पर रीवा पहुंचे। रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर राज्यपाल श्री पटेल का जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद श्री जनार्दन मिश्र, विधायक गु? श्री नागेन्द्र सिंह, विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, विधायक मनगवां इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व विधायक सेमरिया श्री केपी त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष भाजपा श्री अजय सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल का कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी एमएस सिकरवार, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह तथा एसडीएम अनुराग तिवारी ने भी पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने की जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों से की भेंट

रीवा। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल अपने एक दिवसीय प्रवास पर रीवा पहुंचे। राज्यपाल श्री पटेल सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों से भेंट की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार सांसद श्री जनार्दन मिश्र, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस दौरान पूर्व मंत्री श्री पुष्पराज सिंह तथा विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह से ने राज्यपाल श्री पटेल से मुलाकात कर उन्हें सफेद बाघ का छायाचित्र भेंट किया। राज्यपाल को ब्राम्हाकुमारी संस्थान द्वारा भी अनुपम सौगात भेंट की गई।

खिलाड़ियों की खेल सुविधा विस्तार के लिये आवश्यक कदम उठाये जायेंगे : मंत्री श्री शुक्ला

संभाग स्तरीय पुरुष एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल हुए

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने शहीद वीरांगना अवंतीबाई शासकीय महाविद्यालय मेहगांव में जीवाजी यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय पुरुष एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान एसडीएम मेहगांव नवनीत शर्मा सहित अन्य अधिकारी,जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित कर कहा कि खिलाड़ियों की खेल सुविधा में विस्तार के लिये आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। जीवन में स्वस्थ रहने के लिये खेल बहुत आवश्यक है। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जो प्रतिभागी प्रतियोगिता में सफल नहीं हो पाये हैं, उन्हें भी मैं उनके प्रयास के लिये धन्यवाद देता हूँ और आगे वे भी अपनी लगन को बनाये रखें। उन्हें भविष्य में जरूर सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों से कहा कि आगे भी भविष्य में प्रतियोगिता में नियमित रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि आज इस प्रतियोगिता में उपस्थित होकर मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि डकैतों की भूमि कहे जाने वाले भिण्ड जिले से आज बच्चे पड़-लिखकर आईएएस और आईपीएस बनकर निकल रहे हैं, इसके साथ ही खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर भिण्ड जिले के बच्चे मध्यप्रदेश, देश और विश्व में जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। इसी तरह आप सभी खिलाड़ी भी भिण्ड जिले का नाम विश्व स्तर पर रोशन करें। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे खेल पर ध्यान दें, खिलाड़ियों की खेल सुविधा विस्तार के लिये सभी आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। संभाग स्तरीय पुरुष एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता में महिला टीम ग्वालियर विजेता एवं महिला टीम भिण्ड उप विजेता, पुरुष टीम ग्वालियर विजेता एवं पुरुष टीम दतिया उप विजेता रही। मंत्री राकेश शुक्ला ने संभाग स्तरीय पुरुष एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता में विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को शील्ड एवं मैडल प्रदान कर पुरस्कृत किया।

उपचार सुविधाएं बेहतर कर हर स्वास्थ्य संस्था का गुणवत्ता प्रमाणन करने के निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में उपचार सुविधाएं बेहतर करके इनका गुणवत्ता प्रमाणन कराएं। गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन करके इनके स्वास्थ्य की नियमित जाँच करें। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को प्रसव की संभावित तिथि से 10 दिन पूर्व चिकित्सा निगरानी में रखें। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं तथा एसएनसीयू में भर्ती शिशुओं का निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार पूरा फालोअप करें। इसमें लापरवाही बरतने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की उपलब्धियाँ संतोषजनक नहीं हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इनके कार्यों का पूरा प्लान बनाकर लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के मैनेजर को वेतन रोकने का नोटिस देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं का सम्पूर्ण टीकाकरण समय पर सुनिश्चित करें। एक भी बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं होना चाहिए। जिला टीकाकरण अधिकारी तथा बीएमओ टीकाकरण अभियान की सतत मानीटरिंग करें। यूविन पोर्टल और एचएमआईएस पोर्टल पर

टीकाकरण की जानकारी एक जैसी होनी चाहिए। पोर्टल में समय पर जानकारी दर्ज न करने वालों पर सीएमएचओ कार्यवाही करें। स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड हर मानक में पीछे है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इसके कारणों का पता लगाकर वहाँ की स्थितियों में सुधार करें। परिवार कल्याण कार्यक्रम की प्रगति बहुत कम है। प्रत्येक विकासखण्ड के लिए कार्यक्रम बनाकर दो माह में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार आपरेशन करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि जननी सुरक्षा योजना से संबंधित सीएम हेल्पलाइन में बढ़ती संख्या में शिकायतें लंबित हैं। इनकी राशि जारी कर दी गई है। सात दिवस में हितग्राहियों को उनके बैंक खाते में भुगतान करके सभी प्रकरणों का निराकरण करें। कलेक्टर ने बैठक में डेंगू के नियंत्रण, क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम तथा दवाओं के वितरण की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने लापरवाही बरतने पर जिला क्षय अधिकारी डॉ अनुराग शर्मा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ बीके अग्निहोत्री, बैठक से बिना सूचना अनुपस्थित बीएमओ सिरमौर को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अस्पतालों में नियमित रूप से शिविर लगाकर 10 दिनों में 70 साल से अधिक आयु के चिन्हित सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाएं। इसके लिए नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों का भी सहयोग लें। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने विभागीय कार्यों की जानकारी दी। बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी बीके अग्निहोत्री ने 12 नवम्बर से 28 फरवरी तक चलाए जाने वाले सांस अभियान की जानकारी दी। बैठक में सभी चिकित्सा अधिकारी तथा बीएमओ उपस्थित रहे।

मंडी में लगा ताला, बाजार मै किसानों से खरीद रहे फसल व्यापारी

शासन को लग रहा है हर माह लाखों रूपये टैक्स की चपत

रन्नौद प्रदीप जैन

रन्नौद। इस बार शिवपुरी जिले में मक्का की बंपर पैदावार हुई है, जहां विधानसभा की बदरवास कोलारस लुकवासा की मंडी मै लंबी-लंबी कतारे देखने को मिल रही है। वही दूसरी ओर शिवपुरी जिले की कृषि उपज मंडी रन्नौद कई वर्षों से ताले में कैद है, जिम्मेदार और व्यापारियों की साठगांठ से किसानों की फसल बाजार में खरीद रहे हैं जिससे शासन को हर माह लाखों रुपए टैक्स के रूप में की चपत लगाई जा रही है, पिछले 1 माह से रन्नौद बाजार में मक्का की बड़े पैमाने पर खरीदारी हुई है सीधे व्यापारियों के गोदाम व दुकानों पर से बाहर रात्रि के समय ट्रैकों में लौटकर भेज दी गई है। जिससे सरकार को लाखों के राजस्व का नुकसान हो रहा है रोड किनारे खरीदारी से आयेदिन ट्रैफिक की व्यवस्था भी खराब हो रही है , नगर में खुलेआम व्यापारी एंव मंडी प्रबंधन की मिली भगत से नगर के करीब एक दर्जन ज्यादा स्थानों पर किसानों से कम दामो मै फसल खरीद रहे है। मंडी के कर्मचारियों ने बताया है कि रजिस्टर्ड आधा दर्जन से ज्यादा व्यापारी हमारे यहां पर दर्ज हैं।

कृषि उपज मंडी की बिल्डिंग हो रही है जर्जर- रन्नौद नगर में स्थित मंडी करीब 5 एकड़ भूमि में फैली हुई है जिसमें करोड़ों रुपए खर्च कर बिल्डिंग और ग्राउंड तैयार किए गए इसका उपयोग न होने के कारण जर्जर हालत में देखने को मिल रही है, जहां नगर के मवेशी उसमें चरने जा रहे हैं मंडी प्रबंधन की घोर लापरवाही देखने को मिल रही है पूरे मंडी प्रांगण में गोबर ही गोबर नजर आ रहा है उसे जगह से दीवार है टूट रही है टीन सेट टूट एंव गेट टूट रहे हैं।

पूर्व विधायक रणवीर सिंह रावत ने विजयपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए किया मतदाताओं से संवाद

पत्रकार सतीश परिहार करैरा। विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत ने श्यामपुर सेक्टर के विभिन्न ग्राम चौपालों में विशेष रूप से मतदाताओं से संवाद किया प्रदेश महामंत्री की रणवीर सिंह रावत ने चुनावी अभियान के दौरान लोगों से भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने की अपील की उन्होंने मतदाताओं को संबोधित करते हुए भाजपा की नीतियों और उपलब्धियों को साझा किया और आगामी चुनाव में पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की श्री रावत ने यह भी कहा कि भाजपा ने हमेशा क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है और इस बार भी पार्टी के प्रत्याशी विजयपुर की जनता की आशाओं और अपेक्षाओं को पूरा करेंगे।

दबोह में गोपाष्टमी के दिन विधि विधान से की गई गौ माता की पूजा

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। नगर दबोह में सन् 1998 से संचालित संस्था हिमांशु कॉन्वेन्ट स्कूल दबोह में आज गोपाष्टमी के दिन विधि विधान से गाय माता की पूजा अर्चना की गई,विधालय परिवार के शिक्षक सुरेंद्र दीक्षित ने छात्रों को बताया गोपाष्टमी के दिन गायों की पूजा की जाती है क्योंकि उन्हें पवित्र माना जाता है इस दिन भगवान कृष्ण ने गौ-चारण की लीला शुरू की थी इसलिए यह दिन उनके भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है गाय माता की पूजा करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है और सेवा करने से पापों से मुक्ति मिलती है वही सरस्वती स्कूल के शिक्षक पूरण कौरव अचार्ज जी ने बताया गोपाष्टमी का पर्व हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण ने गौचारण शुरू किया था इसलिए इसी तिथि पर गोपाष्टमी का पर्व मनाया जाता है श्रीमदभागवत में वर्णन है कि भगवान श्रीकृष्ण गायों के संग खेला करते थे और उन्हें गायों से बेहद प्रेम था गोपाष्टमी के दिन गाय माता की पूजा करने से व्यक्ति को सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है और जीवन में खुशहाली बनी रहती है साथ ही सभी छात्रों को संकल्प दिलाया गया की हमेशा गाय की पूजा करेंगे गाय में तैतीस कोटी देवता वास करते है हम सभी सर्व प्रथम गाय की पूजा करेंगे गाय की रक्षा ओर सुरक्षा करेंगे इस दौरान हिमांशु कॉन्वेन्ट स्कूल में मुख्यअतिथि जयश्रीराम प्रजापति अचार्ज जी ,पूरन कौरव आचार्य जी,संचालक अनुरुद्ध मुदगल एवं समस्त विधालय परिवार मौजूद रहा।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए हम प्रतिबद्धः डीआरएम श्री सिन्हा

**पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे**

ग्वालियर । झाँसी रेल मंडल द्वारा हरित उर्जा के उपयोग को लगातार बड़ावा दिया जा रहा है. इससे कार्बन के उत्सर्जन में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से कमी आ रही है । इसके साथ ही हरित ऊर्जा के माध्यम से राजस्व की बचत की जा रही है द्ध मंडल द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024 - 25 में अप्रैल से अक्टूबर तक डीजल की कम खपत से रु. 05.36 करोड़ के राजस्व की बचत की जा चुकी हैद्ध वित्तीय वर्ष 2024 - 25 के अक्टूबर माह में हाई स्पीड डीजल खपत में कमी से रु. 71.51 लाख के रेल राजस्व की बचत की गयी है। वित्तीय वर्ष 2024 - 25 के माह अक्टूबर में 450 किलोलीटर हाई स्पीड डीजल का उपयोग हुआ जबकि वित्तीय वर्ष 2023 - 24 में इसी अवधि के दौरान 516 किलोलीटर हाई स्पीड डीजल का उपयोग हुआ था 7 इस प्रकार पिछले वित्तीय वर्ष (2023-

24) के अक्टूबर माह की तुलना में ,वर्तमान वित्तीय वर्ष (2024-25) के अक्टूबर माह में हाई स्पीड डीजल खपत में 12.79 प्रतिशत की कमी आई है।

यह बचत डीजल के स्थान पर बिजली के अधिकतम उपयोग से संभव हो सकी है । डीजल की खपत में आई कमीं के साथ ही तकनीक का उपयोग एवं उचित प्रबंधन से डीजल इस्तेमाल में कमी आई है । डीजल की खपत में कमी के चलते कार्बन उत्सर्जन में भी गिरावट आती है, जो की पर्यावरण को हरित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा ग्लोबल वार्मिंग की रोकथाम हेतु सहायक है। उल्लेखनीय है,कि झाँसी मंडल द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के अक्टूबर माह में आधुनिक तकनीक के थ्री फेड़ लोकोमोटिव (रेल इंजन) के उपयोग से 66,92,713 यूनिट बिजली की बचत की गई जिससे लगभग रु. 3.74/- करोड़ के रेल राजस्व की बचत की गयी है । 3 फेज इंजन होने की वजह से इसमें रि-जनरेटिव ब्रेकिंग भी होता है जिसकी वजह से ब्रेकिंग में लगने वाली उर्जा एकत्रित होकर पुनः इंजन को प्राप्त हो जाती है तथा ऊर्जा की बचत होती है। मंडल रेल प्रबंधक श्री सिन्हा ने कहा कि झाँसी रेल मंडल द्वारा सतत विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। सतत विकास के सिद्धांतों का ध्यान रखते हुए एक तरफ मंडल में हाई स्पीड डीजल के उपयोग में कमी लाई जा रही है। साल दर साल हम डीजल का उपयोग घटाते जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में तत्परता से कार्य करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

आर्मी की वर्दी पहन कर अपने लक्ष्य को पूरा कर केपी यादव 9 साल बाद पहुंचे अपने गांव

कृष्णपाल सिंह यादव निवासी ग्राम गुनेरू

अशोकनगर। सशस्त्र सीमा बल की ट्रेनिंग पूर्ण करके अपने गांव आया फौज में जाने की तैयारी पिछले काफी टाइम से कर रहा था क्योंकि लक्ष्य पहले से ही फौज में जाने का था पिछले 9 महीने से ट्रेनिग के बाद पहली बार गांव पहुंच के केपी यादव का समस्त ग्राम वासियों एवं शहरवासियों के उसके साथ जोरदार स्वागत किया गया अपने लक्ष्य को हासिल कर केपी यादव ने गांव एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया।

समसामयिक सेवा प्रकल्पों में स्काउट गाइड का योगदान उल्लेखनीयः संदीप माकिन

समाज को नई दिशा देने के लिए प्रेरित करें स्काउट गाइड-संदीप माकिन, दतिया में मनाया गया 75 बा स्काउट एवं गाइड का स्थापना दिवस

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

दतिया। मध्यप्रदेश राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय दतिया की ओर से 07 नवम्बर को भारत स्काउट व माइड संगठन का स्थापना दिवस झण्डा दिवस के रूप में जिला कलक्टर संदीप कुमार माकिन के मुख्य आतिथ्य में कलक्टर कार्यालय में मनाया गया। उन्होंने स्काउट गाइड संगठन को आर्थिक सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम की शुरुआत की और सभी संबंधित अधिकारियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर माकिन ने कहा कि जिले में भारत स्काउट व गाइड संगठन बहुत ही बेहतरीन ढंग से समसामयिक सेवा प्रकल्पों में अपना उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। स्काउट गाइड को चाहिए कि वह समाज में युवाओं को जोड़ने का प्रयास करे।जिससे उन्हें सही दिशा निर्धारित करने में मदद मिल सके। प्रारंभ में डीओसी स्काउट अतिवल सिंह ने कलेक्टर को भारत स्काउट व गाइड संगठन का स्कार्फ पहनाकर भारत स्काउट व गाइड का फ्लैग व प्रतीक चिह्न

लगाया। जिला सचिव राजेश कतरौलिया ने स्काउट परंपरानुसार स्कार्फ पहनाकर कलेक्टर का अभिवादन किया। डीओसी दतिया अतिबल सिंह ने बताया कि भारत स्काउट व गाइड संगठन संपूर्ण राष्ट्र में अपना 75 वां वर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाने जा रहा है ।विश्व स्तर पर यह संस्था 180 से अधिक देशों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।सेवा, अनुशासन,समरसता इसके मूल में रही है। कार्यक्रम में कमलेश कुमार भार्गव, मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया, उदित नारायण मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला स्काउट कमिश्नर दतिया, जिला अध्यक्ष मधवेन्द्र सिंह परिहार को भी स्कार्फ पहनकर व ध्वज स्टिकर लगाकर अभिवादन किया गया।

कार्यक्रम में अतिबल सिंह डीओ सी स्काउट , राजेश कतरौलिया जिला सचिव ,श्रीमती लक्ष्मीराय डी.टी.सी. गाइड , श्रीमती अर्चना जाटव संयुक्त सचिव, जयराम पटवा सह सचिव, महेंद्र नारायन शर्मा जिला कोषाध्यक्ष,श्रीमती कृष्णा सोनी , विपिन कुमार बौद्ध, सक्षम तिवारी, गौरी शर्मा, अल्पना शर्मा रेंजर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

श्री रामकथा के श्रवण मात्र से भी मनुष्य जीवन सफल हो जाता है : स्वामी धीरेन्दराचार्य जी

रामकथा के पांचवें दिन श्री राम और माता सीता जी के स्वयंवर का प्रसंग सुन भक्तगण झूम उठे

**पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड । एसएएफ 17 वी बटालियन माता मंदिर प्रांगण पर आयोजित हो रही श्री राम कथा अमृत महोत्सव में पंचम दिवस की श्री राम कथा में व्यास जी महाराज के रूप में अनंत श्री विभूषित हनुमत द्वार पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी धीरेन्दराचार्य जी महाराज चित्रकूट धाम द्वारा श्री राम कथा का वाचन किया जा रहा है। कथा के पाँचवे दिवस

महाराज जी ने संबोधित करते हुए बताया कि उन्होंने कहा कि राजा जनक के दरबार में भगवान शिव का धनुष रखा हुआ था,एक दिन सीता ने घर की सफाई करते हुए उसे उठाकर दूसरी जगह रख दिया,उसे देख राजा जनक को आश्चर्य हुआ,क्योंकि धनुष किसी से उठता नहीं था । राजा ने प्रतिज्ञा किया कि जो इस धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा,उसी से सीता का विवाह होगा। उन्होंने स्वयंवर की तिथि निर्धारित कर सभी देश के राजा और महाराजाओं को निमंत्रण पत्र भेजा । एक-एक कर लोगों ने धनुष उठाने की कोशिश की,लेकिन सफलता नहीं मिली। गुरु की आज्ञा से श्रीराम ने धनुष उठा प्रत्यंचा चढ़ाने लगे तो वह टूट गया । राजा जनक के दूत की सूचना पर राजा दशरथ भरत और शत्रुघ्न तथा गुरुदेव वशिष्ठ के साथ जनकपुर पहुंचते हैं,यहां भरत का विवाह मांडवी से,लक्ष्मण जी का विवाह उर्मिला से तथा शत्रुघ्न जी का विवाह श्रुतिकीर्तिका से होता है। इसके बाद धूमधाम से सीता व राम का विवाह हुआ । भगवान श्री राम की कथा सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे।

देश में भाई चारा बनाए रखने के लिए भाजपा को हराना जरूरी : नरेंद्र सिंह

अनुज सिंह ठाकुर पुष्पांजलि टुडे ब्यूरो चीफ ललितपुर

ललितपुर। समाजवादी पिछड़ा प्रकोष्ठ की मासिक बैठक जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झांसी ललितपुर लोकसभा बूथ प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष ज्योति सिंह लोधी मौजूद रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि तौर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव व नगर अध्यक्ष अभि जैन खजुरिया उपस्थित रहे। इस दौरान जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सभी एकजुट हो जाएं। आपसी मतभेद भुलाकर पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का काम किया जाये। उन्होंने आगे कहा कि देश में भाईचारा कायम करने व आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए भाजपा को हराना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यकर्ता बूथ स्तर पर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने समाजवादी पार्टी में सक्रिय रूप से का कर रहीं कामिनी यादव को पिछड़ा प्रकोष्ठ का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया। जिसका मनोनयन पत्र सौंपते हुए पार्टी पदाधिकारियों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। इस मौके पर जिला महासचिव अखलाक मंसूरी, ललितपुर विधानसभा अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, महरौनी विधानसभा अध्यक्ष साबिर मंसूरी , जिला कोषाध्यक्ष हर्ष लक्ष्यकार, ब्लाक अध्यक्ष बिरधा महाराज सिंह लोधी, जिला उपाध्यक्ष राहुल यादव, जिला उपाध्यक्ष गुलज़ारी कुशवाहा, जिला सचिव सूफियान मंसूरी, सपा जिला सचिव प्रमोद यादव, बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी जिलाध्यक्ष तुलसीराम अहिरवार, रविकांत श्रीवास, जिला सचिव राजबहादुर यादव, जिला कार्यकारिणी सदस्य अभि झा आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना कोतवाली पुलिस व स्वाट, सर्विलांस की सयुंक्त टीम द्वारा 12 घण्टे के अन्दर पर्दाफाश कर व्यक्ति को बंधक बनाकर 03 लाख रूपये की फिरौती मागने वाले 03 नफर अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

अभियुक्तों के कब्जे से बंधक को छुड़ाने के एवज में दिये गये 01 लाख रूपये (शत् प्रतिशत) किये गये बरामद

श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन कानपुर एवं श्रीमान पुलिस उप महानिरीक्षक झांसी, परिक्षेत्र झांसी के निर्देश के क्रम में श्रीमान पुलिस अधीक्षक ललितपुर श्री मो. मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक जनपद ललितपुर श्री अनिल कुमार एवं प्रभारी क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 1093/2024 धारा- 140(2)/352/115(2)/351(3) बीएनएस व 67 आईटी एक्ट में दौराने विवेचना प्रकाश में आये अभियुक्तगण 1. अखिलेश अहिरवार पुत्र किशोरीलाल उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम सिगार थाना गुरसराय जनपद झाँसी, 2.सतेन्द्र सिंह पुत्र परमार सिंह बुन्देला उम्र करीब 27 वर्ष निवासी ग्राम छपायी थाना जखौरा जनपद ललितपुर, 3.श्रीमती किरन उर्फ क्रान्ती पत्नी मनीराम उम्र 35 वर्ष निवासी देवीलाल चौबे अखाड़ा थाना कोतवाली जनपद झाँसी को देवीलाल चौबे अखाड़ा थाना कोतवाली जनपद झाँसी से गिरफ्तार कर न्यायायिक अभिरक्षा हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है । घटना का संक्षिप्त विवरण- वादी मुकदमा ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि आरोपीगण द्वारा वादी के पिता लल्लू चौबे उम्र करीब 50 वर्ष को बन्दी बनाकर 03 लाख रुपये के फिरौती की माँग करना तथा न देने पर गाली गलौच करते हुए मारपीट करना व जान से मारने की धमकी देना तथा सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने की धमकी देने के सम्बन्ध मे सूचना दी गयी थी । सूचना के आधार पर तत्काल थाना कोतवाली ललितपुर पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । घटना के शीघ्र अनावरण हेतु प्रभारी क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में 04 टीमें- स्वाट, सर्विलांस व थाना स्तर से टीम गठित कर की गयी थी तथा गठित टीमों द्वारा सर्विलांस मैनुअली/टैक्निकली व अन्य साक्ष्य संकलन के आधार पर पीड़ित लल्लू चौबे उपरोक्त को सकुशल बरामद कर लिया गया है तथा अभियुक्तगण 1. अखिलेश अहिरवार पुत्र किशोरीलाल उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम सिगार थाना गुरसराय जनपद झाँसी, 2.सतेन्द्र सिंह पुत्र परमार सिंह बुन्देला उम्र करीब 27 वर्ष निवासी ग्राम छपायी थाना जखौरा जनपद ललितपुर, 3.श्रीमती किरन उर्फ क्रान्ती पत्नी मनीराम उम्र 35 वर्ष निवासी देवीलाल चौबे अखाड़ा थाना कोतवाली जनपद झाँसी को गिरफ्तार कर लिया गया है । पूछतांछ का विवरण - अभियुक्तगण ने पूँछने पर बताया कि साहब हमारा एक संगठित गिरोह है, जिसमें महिलायें भी शामिल है । जिसमें हम लोगों द्वारा रूपये कमाने के उद्देश्य से अपनी गिरोह में शामिल महिलाओं के द्वारा फोन कॉल करवाकर अलग-अलग जनपद के लोगो से बात कराकर लोगों को मिलने के लिये झाँसी बुलाते है, जब वह व्यक्ति महिला से मिलने आता है तो हमारे गिरोह के सदस्य मिलकर बंधक बना लेते है और उसके साथ मारपीट करते है । फिर उसके परिजनों से फोन करके रुपयों की माँग करते है । और धमकी देते है कि रूपये न देने पर जान से मार देगें । जब हम लोगो द्वारा बंधक बनाये गये व्यक्ति के परिजन से रुपये प्राप्त हो जाते है तो हम लोग बंधक बनाये गये व्यक्ति को छोड़ देते है । हम लोगो को जो भी रुपये मिलते है उनको आपस में बराबर-बराबर बाँट लेते है । इन्ही पैसो से हम लोग अपने शौक व ऐसो-आराम करते है । हम लोगो ने लल्लू चौबे उपरोक्त को अपनी गिरोह में सम्मिलित महिला से फोन पर बात कराकर झाँसी मिलने के लिये बुलाया था जब लल्लू चौबे वहां आ गया तो हम लोगों ने लल्लू चौबे को बंधक बनाकर उसका वीडियो बना लिया था तथा पीड़ित को छुडाने के लिए 03 लाख रुपये की माँग की थी हम लोगों ने रुपये लेने के लिये पीड़ित के परिजनो को निर्धारित स्थान पर बुलाया था । पीडित के परिजनों द्वारा निर्धारित स्थान पर आकर जैसे ही हम लोगों को रूपये दिये उसी समय आप लोगों द्वारा हम लोगों को पकड़ लिया गया है । साहब हम लोगों से गलती हो गयी माफ कर दें ।

ऋचा चड्ढा

अली फजल ने रिवील किया बेटी का यूनिक नाम, जानें क्या है मायने

बॉलीवुड कपल अली फजल और ऋचा चड्ढा इसी साल 20 जुलाई को पेरेंट्स बने हैं. एक्ट्रेस ने एक बेटी को जन्म दिया है. अली फजल और ऋचा चड्ढा को पेरेंट्स बने 5 महीने होने वाले हैं और अब कपल ने अपनी बेटी के नाम से पर्दा उठा दिया है. ऋचा चड्ढा और अली फजल ने बोग इंडिया से बात करते हुए अपनी बेटी का नाम रिवील किया है. कपल ने अपनी बेटी का नाम 'जुनैरा इदा फजल' रखा है. अली फजल ने कहा- 'बच्चा होने से वह खालीपन भर जाता है जिसके बारे में आपको पता भी नहीं था. वो हिस्सा मुझे हैरान करना कभी बंद नहीं करता, अब काम करना बहुत मुश्किल है. जब मैं घर से बाहर निकलता हूं तो मुझे बहुत चिंता होती है क्योंकि मैं हर समय बस बच्चे को देखना चाहता हूं और ऋचा और उसके आसपास रहना चाहता हूं.

क्या है जुनैरा इदा फजल का मतलब ?

अली और ऋचा की बेटी का नाम अरबी शब्द जुनैरा और ग्रीक शब्द इदा से मिलकर बना है. जुनैराका मतलब रास्ता दिखाने वाली रोशनी होता है. जबकि इदा का मतलब बहुत मेहनत करने वाला है. वहीं फजल अली का सरनेम है जो उन्होंने अपनी बेटी के नाम के साथ जोड़ा है. बता दें कि कपल प्यार से अपनी बेटी को जूनी बुलाता है.

बेटी की परवरिश के लिए ऋचा ने उठाए क्या कदम ?

ऋचा चड्ढा कहती हैं- बहुत ओवर नॉलेज को रोकने के लिए मैंने पालन-पोषण पर बहुत ज्यादा पढ़ने से परहेज किया क्योंकि मुझे लगता है कि ये आपकी नैचुरल रिस्पॉनेस के रास्ते में आ सकता है. एक्ट्रेस आगे कहती हैं- आपकी नर्स आपको बुनियादी बातें सिखाती हैं, लेकिन आप ये भी सीखते हैं कि आप जन्म से ही ब्रेस्ट फीडिंग करना जानते हैं. इसलिए मैं कभी भी नेचर की इंटेलिजेंस पर सवाल नहीं उठाती और उसमें दखल न देने की कोशिश करती हूं. मैं देखती हूं कि मेरे और जूनी के लिए क्या काम करता है.

शोएब इब्राहिम

का खुलासा, बोले- 2 रुपये में करता था कपड़े प्रेस, पत्नी दीपिका कक्कड़ ने ऐसे किया रिएक्ट

शोएब इब्राहिम अपनी पर्सनल लाइफ की झलक यूट्यूब व्लॉग के जरिए फैंस के साथ शेयर करते हैं. हाल ही में उन्होंने नया व्लॉग शेयर किया. शोएब इब्राहिम को व्लॉग में अपनी शर्ट प्रेस करते हुए देखा गया. इस

दौरान उन्होंने बताया कि ये शर्ट प्रेस करते हुए मुझे याद आया कि छोटे थे तो पापा के कपड़े प्रेस करते थे और 2 रुपये मिला करते थे.

जब शोएब को मिलते थे 2 रुपये

शोएब ने कहा- जब पापा बैंक जाते थे तो उनके कपड़े बाहर प्रेस होते थे. तो 2-3 बार मैं लेकर गया फिर मैंने पापा से कहा कि मैं कर दिया करूंगा, लेकिन 2 रुपये मुझे दे दिया करो. तो मुझे वो वक्त याद आ गया. ये सुनकर दीपिका कहती हैं- क्या वक्त था हमारे समय में 2 रुपये 5 रुपये पॉकेट मनी मिलती थी. फिर शोएब ने कहा पॉकेट मनी भी कहां मिलती थी, कमाने पड़ते थे. हम काम करते थे तो पैसे मिलते थे. मैं हफ्ते में तीन दिन पापा के कपड़े प्रेस करता था तो मुझे 6 रुपये मिलते थे.

बता दें कि हाल ही में शोएब पत्नी दीपिका और बेटे रुहान के साथ शिमला घूमकर आए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी झलक फैंस के साथ शेयर की. यूट्यूब पर भी इसके वीडियोज शेयर किए. शोएब अपनी फैमिली के साथ खूब समय बिताते हैं.

शोएब को अजूनी, ससुराल सिमर का, जीत गई तो पिया मोरे, कोई लौट के आया है और झलक दिखलाजा में देखा गया है.वहीं दीपिका की बात करें तो उन्होंने कुछ समय पहले ही अपनी फैशन ब्रांड शुरू किया है.

वो अपने इस बिजनेस में बिजी हैं. वो खुद से कपड़े डिजाइन करती हैं. दीपिका ने काफी समय से एक्टिंग से दूरी बनाई हुई है. वो यूट्यूब पर व्लॉग बनाती हैं. ब्रांड प्रमोशन करती हैं.

खुशबू हूं मैं फूल नहीं जो मुरझाऊंगा जब जब मौसम लहराएगा मैं आ जाऊंगा। मशहूर शायर निदा फाजली के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का अनावरण

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर में पले बढ़े प्रसिद्ध शायर और दोहाकार, पद्मश्री निदा फ़ाज़ली पर बनी डॉक्यूमेंट्री मैं निदा का प्रदर्शन, 9 नवंबर को, बाल भवन सभागार में शहर के गणमान्य नागरिकों के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, क्षेत्र के पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवालकर, डायरेक्टर श्री आलोक शर्मा, अतुल पाण्डेय (फिल्म डायरेक्टर, मुंबई), अतुल गंगवार (फिल्म प्रोड्यूसर, दिल्ली), सी पी एस तोमर (फिल्म एडिटर, नोएडा), तन्मय गंगवार (प्रोडक्शन हेड) के साथ स्व. श्री निदा फ़ाजली जी की धर्मपत्नी श्रीमति मालती जोशी फाजली भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं. हाल ही में 'मैं निदा' का चयन गोवा में आयोजित होने वाले, देश के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शन के लिए हुआ है। इस फिल्म में साहित्य और फिल्म जगत की अनेक जानी मानी हस्तियों ने निदा साहेब के व्यक्तित्व के बारे में, जाने अनजाने पहलुओं पर अपने स्मरण प्रस्तुत किए है। इनमें प्रमुख है, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक सुधीर मिश्रा और जॉन मैथ्यू मथायन, अमित राय, अश्विनी चौधरी, प्रसिद्ध गायक और संगीतकार शान, रंगकर्मी, लेखक और अभिनेता अतुल तिवारी, वरिष्ठ संगीतकार कुलदीप सिंह, गायिका जसपिंदर नरूला, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पत्रकार अनंत विजय, शायर मदन मोहन दानिश, अतुल अजनबी के साथ उनके पुराने मित्र मो.वकार और भाई तारिक कुरैशी आदि शामिल हैं। फिल्म की शुरुआत निदा साहेब की अपने पिता के ऊपर लिखी नज़्म, वालिद की वफ़ात से होती है जिसे स्वर दिया है प्रसिद्ध अभिनेता पद्मश्री स्वर्गीय टॉम ऑल्टर ने। इस फिल्म में गायक शान के पिता मानस मुखर्जी के संगीतबद्ध तीन गीतों को शान ने अपनी आवाज दी है। पार्श्व संगीत ?ि?म शर्मा ने दिया है। निदा देश के कुछ चुनिंदा लेखकों में से एक हैं जो अपनी शायरी, अपनी कहानियों, अपने गीतों, अपने दोहों आदि के लिए विख्यात हैं। अपने खरेपन और बेबाकी के लिए जाने वाले निदा फ़ाज़ली को आधुनिक युग का कबीर कहा जाता है। इस अवसर पर वहां उपस्थित पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवालकर जी ने निदा फ़ाज़ली साहेब को ग्वालियर का एक ऐसा रत्न बताया जिसने अपनी चमक से देश में ना केवल अपना बल्कि ग्वालियर का भी सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने, निदा साहेब के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री बनाने वाली निर्माण टीम का धन्यवाद किया। निदेशक आलोक शर्मा ने शायरी के क्षेत्र में निदा साहेब के योगदान को याद करके कहा इस फिल्म के माध्यम से निदा साहेब के व्यक्तित्व के कई अनजाने पहलुओं को जानने का मौका मिला। निदा साहेब की रचनाएं कल भी प्रासंगिक थीं, आज भी और कल भी रहेंगी। मालती जोशी फ़ाज़ली के लिए फ़िल्म का प्रदर्शन एक भावात्मक अनुभव रहा। उन्होंने याद दिलाया कि निदा साहेब, ताउम्र ग्वालियर से जुड़े रहे और हर मौक़े पर उनका शहर में आना-जाना लगा रहता था। मालती जी इस अवसर पर अपनी बिटिया 'तहरीर फ़ाज़ली' को भी निंदा के शहर लेकर आईं। निदा साहेब की शायरी आज खुशबू की तरह पूरे विश्व को महका रही है। क्या यह अवसर चित्र भारती के प्रांत संयोजक दिनेश चाकणकर वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर केशव पांडे, अतुल तारे, देव श्रीमाली,सिन्धी साहित्य अकादमी के निदेशक राजेश वाधवानी, घनश्याम भारती सहित अनेक साहित्यिक रसिक जन उपस्थित थे

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर आज करेंगे विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर रविवार 10 नवम्बर को ग्वालियर-15 विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। ऊर्जा मंत्री सर्वप्रथम रविवार दोपहर 2.30 बजे तानसेन नगर पानी की टंकी के पास 52 लाख 17 हजार 819 रुपए की लागत से पार्क निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे। इसके साथ ही तानसेन नगर ए ब्लॉक में 23 लाख 66 हजार की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड का भूमिपूजन करेंगे। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गोल्डी की दुकान से पाताली हनुमान तक तथा लोहा मंडी खिड़की मोहल्ला में 1 करोड़ 71 लाख 67 हजार 597 रुपए की लागत से नाला निर्माण, तानसेन नगर में 1 करोड़ 40 लाख की लागत से पानी लाइन निर्माण, लोहा मंडी औदक स्कूल रेती फाटक के पास श्री ओमप्रकाश नामदेव के घर के पास 4 करोड़ 20 लाख की लागत से निर्मित होने वाली पांच अलग-अलग गलियों का निर्माण, होली पुरा में 3 लाख की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड तथा सीवर लाइन का निर्माण, खिड़की मोहल्ला माता मंदिर पर टीन शेड निर्माण तथा खिड़की मोहल्ला काशी राम मंदिर पर टीन शेड तथा चबूतरा निमार्ण कार्य का भूमिपूजन करेंगे।

भूगर्भ जल अधिनियम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। जिलाधिकारी/अध्यक्ष, भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद द्वारा उद्योग बंधु की बैठक में दिये गये निर्देशों के क्रम में उद्यमियों/भूगर्भ जल का व्यावसायिक दोहन करने वाले उपभोक्ताओं की जागरुकता हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ग्राम्य विकास संस्थान, रोड़ा के हाल में आयोजित किया गया। ज्ञात हो कि उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमियों द्वारा भूगर्भ जल अधिनियम के संबंध में अधिक जानकारी एवं जागरुकता के उद्देश्य से एक कार्यशाला आयोजन की मांग की गई थी। उक्त के क्रम में कार्यशाला का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि भूगर्भ जल का औद्योगिक, वाणिज्यिक, अवसंरचनात्मक और सामूहिक उपयोगकर्ताओं, अधिष्ठान यथा होटलों, लॉजों, आवासीय कालोनियों, रिर्जाटों, निजी चिकित्सालयों, परिचार्या गृहों, कारोबार क्षेत्रों, मॉल्स, वाटर पार्क, आर.ओ. प्लांट, गाड़ी धुलाई सेंटर एवं खेल परिसरों, स्टेडियमों इत्यादि को जलस्रोत का भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद के पोर्टल पर अनापत्ति/पंजीयन लेना अनिवार्य है एवं इस संबंध में भूगर्भ जल का उपभोग कर रहे विभिन्न उद्योगों/प्रतिष्ठानों /संस्थाओं को नोटिस तामील कराया गया है। उक्त कार्यशाला में भूगर्भ जल विभाग के सहायक भूभौतिक्विद् आकाश दीप, उद्योग विभाग के रवि शर्मा एवं कंसल्टेंट पवन के साथ जनपद के विभिन्न उद्योगों के प्रोप्राइटर/प्रतिनिधि व अन्य भूगर्भ जल उपभोक्ता उपस्थित रहे।

निधन पर महासभा ने जताया शोक

ललितपुर। जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के कार्यालय नजाई बाजार में सम्पन्न हुई शोक सभा में समिति के संरक्षक प्रह्लाद कुमार जायसवाल के आकस्मिक निधन हो के कारण परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने एवं शोक संतप्त परिवार को इस गहन दुख के समय धैर्य धारण करने हेतु मौन धारण कर प्रार्थना की। शोक सभा में रामेश्वर प्रसाद जायसवाल, सुरेंद्र कुमार जायसवाल, बृजेश नारायण जायसवाल, विनोद कुमार जायसवाल, वेदप्रकाश जायसवाल, लक्ष्मीनारायण जायसवाल, संजय जायसवाल पिंटू, संजीव जायसवाल कालू, अमित कुमार जायसवाल, पवन जायसवाल एड., मनीष कुमार जायसवाल, महेश कुमार जायसवाल, दिनेश कुमार जायसवाल, राधव जायसवाल, मदनमोहन जायसवाल नाराहट, भूपेंद्र जायसवाल गौना, आनंद कुमार जायसवाल गौना, रामनारायण जायसवाल पाली, नितिन जायसवाल महेंद्र जायसवाल, कमलेश कुमार जायसवाल, दीपक, राजेन्द्र जायसवाल पाली, विष्णुकांत जायसवाल, श्रीप्रकाश जायसवाल, नितिन जायसवाल, अशोक कुमार शिवहरे, बद्रीप्रसाद राय, हरगोविंद राय, सुनिता जायसवाल, सोनू, आशीष कुमार जायसवाल सहित भारी संख्या में स्वजातीय बन्धु उपस्थित रहे।

एसपी ने देर रात 141 पुलिस कर्मियों के स्थानान्तरण किये

ललितपुर। जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने के लिए पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने एक सैकड़ा से अधिक मुख्य आरक्षी/आरक्षियों के कार्यक्षेत्र में व्यापक स्तर पर बदलाव किया है। देर रात जारी हुयी सूची के अनुसार 128 मुख्य आरक्षी व आरक्षियों के स्थानान्तरण विभिन्न थानों से यू.पी. 112 व यू.पी.112 से विभिन्न थानों में किये गये हैं। इनके अलावा कई पुलिस कर्मियों को पुलिस लाइन से नवीन तैनाती मिली है तो वहीं कई पुलिस कर्मियों को थाना क्षेत्र पर बदला गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल

मेडीकल कॉलेज में उपचार के दौरान हुयी मौत

ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम कुआतला निवासी संदीप लोधी पुत्र कैलाश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 22 अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे उसका चचेरा भाई दिनेश पुत्र खुशीलाल लोधी जो कि राजघाट से अपने घर की ओर मोटर साइकिल से दामोदर पुत्र राजाराम के साथ आ रहा था। तभी दामोदर रास्ते में बाथरूम करने के लिए उतर गया। इसी बीच दिनेश भी गुटखा लेने के लिए चला गया। तभी ग्राम गनगौरा राजघाट रोड के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसके चचेरे भाई को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसके भाई को सिर व शरीर में गंभीर चोटें आयीं हैं। घटना की सूचना दामोदर ने फोन करके दी। सूचना मिलने पर वह तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे और घायल भाई को लेकर जिला अस्पताल पहुंचा, जहां से उसे झांसी के निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां से भी घायल को झांसी मेडीकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। बताया कि उसके भाई को उपचार के लिए झांसी मेडीकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां 23 अक्टूबर को उसके भाई ने दम तोड़ दिया। संदीप लोधी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125 (बी), 106 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

घात लगाकर मारपीट करने का आरोप

ललितपुर। थाना मड़ावरा अंतर्गत ग्राम रनगांव निवासी गज्जूराम पुत्र रमला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 7 नवम्बर को शाम करीब 6 बजे वह बाजार से अपने घर जा रहा था, तभी रास्ते में रविदास मंदिर के पास उसके परिवार के विजय पुत्र फूलचंद्र व फूलचंद्र पुत्र रमला अहिरवार ने घात लगाकर हमला कर दिया। आरोप है कि उक्त लोगों ने गालियां देते हुये लाठी-डण्डों से मारपीट कर दी, जिससे हाथ में चोट आ गयी। शोरगुल सुनकर बचाने आयी पत्नी गेंदा को भी मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

विधिक सेवा दिवस के अवसर पर मैराथन दौड़ एवं विधिक जागरूकता

दैनिक पुष्पांजली टुडे

प्रदर्शनी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

भिण्ड । न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत विधिक सेवा दिवस के अवसर पर मैराथन दौड़ एवं विधिक जागरूकता प्रदर्शनी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन प्रशासनिक न्यायाधिपति म.प्र. उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष महोदय म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार 04 नवम्बर से 09 नवम्बर 2024 तक विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है जिसमें विधिक सेवा योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं उक्त योजनाओं का लाभ देने के संबंध में विहित प्रक्रिया की जानकारी तथा जन सामान्य तक न्याय की पहुच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से साप्ताहिक जागरूकता/साक्षरता कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में विधिक सेवा दिवस के अवसर पर 17 बटालियन कंपाउण्ड से जिला न्यायालय भिण्ड तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से आमजनों में कानून की समझ को विकसित करने का प्रयास किया गया। उक्त मैराथन दौड़ का अभिवादन राजीव कुमार अयाची,प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष द्वारा जिला न्यायालय में किया गया तथा मैराथन दौड़ को 17 बटालियन भिण्ड से मनोज कुमार तिवारी (सीनि.) विशेष न्यायाधीश द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। मैराथन दौड़ की थीम न्याय सबके लिए तथा मैराथन दौड़ का उद्देश्य गरीब एवं वंचित वर्गों तक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से नालसा एवं सालसा की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को पहुँचाना था। इसी क्रम में जिला न्यायालय परिसर में विधिक जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया उक्त प्रदर्शनी का शुभारंभ राजीव कुमार अयाची, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष द्वारा फीता काटकर किया गया। उक्त प्रदर्शनी में नालसा एवं सालसा की योजनाएं जिनमें लोक उपयोगी सेवाओं के लिए स्थायी एवं निरंतर तथा नेशनल लोक अदालत,लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम योजना, शिक्षा का मूल अधिकार योजना,बाल विवाह निषेध अधिनियम, निःशक्तजन एवं उनके अधिकार, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम,बेटी बचाओं बेटी पड़ाओं,म.प्र. अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना,मध्यस्थता क्यों, विधिक सहायता एवं सलाह,भारतीय संविधान में मूल कर्तव्य, प्ली बारगेनिंग, बंदियों के अधिकार, लीगल एड क्लीनिक, माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, लीगल एड डिफेंस काउंसिल स्कीम आदि के होर्डिंग लगाए गए जिसमें सरलतम भाषा में संपूर्ण जानकारी अंकित की गई थी जिससे आमजन कानूनी भाषा को आसानी से समझ सकें। उपरोक्त प्रदर्शनी में समस्त न्यायाधीशगण, विद्यालया के छात्र-छात्राएं, पैरालीगल वॉलेंटियर्स,पैनल लायर्स, एलएडीसीएस के अधिवक्तागण, न्यायालयीन एवं जिला प्राधिकरण के कर्मचारीगण,सम्मिलित हुए।उपरोक्त कार्यक्रमों में मनोज कुमार तिवारी, (जूनि.),संजीव सिंघल,दिनेश कुमार खटीक,अहमद रज़ा जिला न्यायाधीशगण एवं हिमांशु कौशल,जिला न्यायाधीश/सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,कमलेश भरकुंदिया, सीजेएम,पियूष भावे, जिला रजिस्टार चन्द्रशेखर राठौर, अभिजीत सिंह,विवेक माल, सुश्री अनुभूति गुप्ता,न्यायाधीशगण, श्रीमती नेहा उपाध्याय,प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट,किशोर न्याय बोर्ड,सौरभ कुमार दुबे,जिला विधिक सहायता अधिकारी,विनीत मिश्रा, अध्यक्ष अभिभाषक संघ,हनुमंत बौहरे,चीफ काउंसिल उपस्थित रहे। उक्त मैराथन दौड़ में शिवम तोमर, फिजीकल ट्रेनिंग कोच एवं अमित सिंह भदौरिया फिजीकल ट्रेनिंग कोच एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा।

नशा नींद और तेज रफ्तार से बचेः प्राचार्य प्रो. शास्त्री

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। नेहरू महाविद्यालय ललितपुर में यातायात माह सड़क सुरक्षा के तत्वाधान में दिनांक 8 नवंबर एवं 9 नवंबर 2024 को प्रतियोगिताएं कराई गई 8 नवंबर को भाषण प्रतियोगिता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं 9 नवंबर को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रिंसी दुबे ने प्राप्त किया द्वितीय स्थान सचेंद्र एवं तृतीय स्थान सृष्टि निरंजन ने प्राप्त। निर्णायक के रूप में श्री हिमांश धर द्विवेदी एवं डॉ ओम प्रकाश चौधरी उपस्थित रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सृष्टि निरंजन द्वितीय स्थान शैलेंद्र एवं तृतीय स्थान रुचिता यादव ने प्राप्त किया।निर्णायक के रूप में डॉ रोशन सिंह उपस्थित रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गायत्री सोनी द्वितीय स्थान मानी सोनी एवं तृतीय स्थान महक राजा ने प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में डॉ रिचा राज सक्सेना एवं श्रीमती कविता पैजवार उपस्थित रही। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश शास्त्री ने प्रतियोगिता में भाग ले रहे छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क पर चलते समय हमें नियमों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। सड़क पर जितनी भी दुर्घटनाएं होती हैं उसके पीछे नशा नींद और रफ्तार जिम्मेदार होती है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से सड़क सुरक्षा का शासन द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। आप लोग अधिक से अधिक प्रतियोगिता में प्रतिभाग करें। सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता के संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुधाकर उपाध्याय ने कहा कि सड़क पर चलते समय हमें बहुत ही सजग रहने की आवश्यकता है यातायात के नियमों को हम जितना अधिक जानेंगे उतना ही हम दुर्घटनाओं से दूर रहेंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल अधिकारी डॉ ओम प्रकाश चोधरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह में पूरे जिले में यातायात के नियमों की जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री जितेंद्र कुमार, श्रीमती अनीता, डॉ राजीव निरंजन, डॉ वर्षा साहू ने भी अपने विचार रखें। इस अवसर पर गंगा राजपूत, समृद्धि पाराशर, कुलदीप द्विवेदी, रोहित मिश्रा, रुचिता यादव, शिवम राजा, अमीषा सोनी, चंचल नायक, पलक जैन, शिवानी राजा, गायत्री देवी, सचिंद्र, प्रिंसी दुबे, रिंकी, सौरभ अहिरवार, अंशु दुबे, खुशबू दुबे, काजल, शिवाजी राजा आदि छात्र-छात्राएं प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

गायों की सेवाओं से कटते हैं पापः प्रशांत शुक्ला

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। गोपाष्टमी पर देशभर में गौ माता की सेवा पूजा की गई। गऊ पुत्र सेना के तत्वाधान में वर्णी कॉलेज चौराहे के पास स्थित निराशित गौ उपचार सेवा केंद्र पर गौ सेवको द्वारा गाय का पूजन व सेवा की गई। गऊ पुत्र सेना के प्रशांत शुक्ला ने कहा कि हिन्दू संस्कृति में गाय का विशेष महत्व होता है और उन्हीं को समर्पित हैं ये गोपाष्टमी पर्व। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार दिवाली के ठीक बाद आने वाली कार्तिक शुक्ल अष्टमी को गोपाष्टमी पर्व के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने गौ चारण लीला शुरू की थी। कार्तिक शुक्ल अष्टमी के दिन मां यशोदा ने भगवान कृष्ण को गौ चराने के लिए जंगल भेजा था। इस दिन गो, ग्वाल और भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करने का महत्व है। हिन्दू धर्म में गाय को माता का स्थान दिया गया है। गऊ पुत्र मनीष दुबे ने बताया कि हमारी कोशिश है कि नए युवाओं को गौ सेवा के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। गौ पूजन के दौरान सचिन जैन बॉस, एड.पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, अनुज शर्मा, हरेन्द्र राजा, पत्रकार अमित लखेरा, एड. आकाश झा, रोहित राजा, मोनू सेन, बलराम कुशवाहा आदि गौ सेवक उपस्थित रहे।

आज बैठक व मतदेय स्थलों का निरीक्षण करेंगे कमिश्नर

ललितपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंकुर श्रीवास्तव ने अवगत कराया है कि अर्हता 01 जनवरी 2025 के आधार पर होने वाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त दावे/आपत्तियों के समय जनपद में प्रथम भ्रमण 10 नवम्बर 2024 को पूर्वान्ह 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में रोल प्रेक्षक/आयुक्त झांसी मण्डल झांसी (सी.यू.जी. -9454417501) की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में सांसद, विधायकगण, अध्यक्ष/महामंत्री समस्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दल, जनपद इकाई ललितपुर द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। उक्त के अलावा प्रेक्षक/आयुक्त झांसी मण्डल झांसी द्वारा जनपद के मतदेय स्थलों का निरीक्षण भी किया जाएगा।

डीएम ने जिला स्वास्थ्य समिति की ली बैठक

स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के निर्देश, चिकित्सकों, एमओआईसी एवं स्वास्थ्य कर्मियों को दिए कड़े निर्देश, पीएचसी जखौरा के बीपीएम अतुल दुबे की खराब कार्यप्रणाली पर तत्काल दूसरे ब्लॉक में ज्वॉइन करने के लिए निर्देश

अनुज सिंह ठाकुर पुष्पांजलि टुडे ललितपुर ब्यूरो चीफ

ललितपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में माह अक्टूबर 2024 में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की अंतिम अन्तर्विभागीय समीक्षा बैठक एवं जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं व योजनाओं की एक-एक कर गहनता से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों द्वारा अभी तक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपलब्ध कराई गई धनराशि को खर्च न करने तथा कार्य में शिथिलता/लापरवाही बरतने पर कड़ी फटकार लगाते हुए उन्हें निर्देश दिए कि अगले एक सप्ताह में सुधार करें अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र जखौरा के ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अतुल दुबे की खराब कर प्रणाली, कार्य में शिथिलता व लापरवाही पर कड़ी फटकार लगाते हुए उनका स्थानांतरण दूसरे ब्लॉक में करने के साथ ही उन्हें कल ही अपने स्थानांतरण स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देश दिए कि वह सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर जीवन रक्षक उपकरण एवं दवा की उपलब्धता सुनिश्चित कराए तथा सभी जांच मशीनों को क्रियाशील कराए। बैठक में अपर सीएमओ, जिला सूचना अधिकारी, बेसिक शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, पंचायती राज विभाग, नगर विकास विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, एस0एम0ओ0/डब्लू0एच0ओ0/डी0एम0सी0 यूनीसेफ आदि पार्टनर एजेन्सी एवं जनपद के समस्त चिकित्सा अधीक्षक, प्रभारी जिला मलेरिया अधिकारी हरिश्चन्द्र नामदेव, सहायक मलेरिया अधिकारी, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक एवं मलेरिया निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

खसरा और रूबेला की रोकथाम के लिये कैचअप टीकाकरण 25 नवम्बर

ललितपुर। खसरा और रूबेला जैसी संक्रामक बीमारियों से बच्चों को बचाने के लिये स्वास्थ्य विभाग कैचअप टीकाकरण अभियान शुरू करेगा। सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद ने बताया कि पांच वर्ष तक के बच्चों के टीकाकरण के लिये 14 नवम्बर से पहले सर्वे किया जायेगा। पंचायत स्तर पर सर्वे कर अभियान की शुरूआत की जायेगी। बच्चों को खसरा और रूबेला जैसी बीमारियों से बचाने के लिये टीकाकरण अभियान की शुरूआत 25 नवम्बर से की जायेगी। यह अभियान 6 दिसम्बर तक चलेगा। कैचअप टीकाकरण के नाम से चलने वाले इस अभियान में पांच वर्ष तक के बच्चों को कवर किया जायेगा जो नियमित टीकाकरण से छूट गये थे। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा.शिव प्रकाश ने बताया कि महानिदेशालय से मिले निर्देशों के अनुसार माइक्रो प्लान तैयार किया जा रहा है। उन्होने बताया कि एम.आर.कैचअप टीकाकरण के लिये जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 08 नवम्बर 2024 को बैठक की जा चुकी है। डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हैल्थ स्पेशलिस्ट डा.सौरभ सक्सेना ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग मीजिल्स रूबेला उन्मोदन के लिये प्रतिबद्ध है। वर्तमान में जनपद के ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों में एम.आर. केसों की स्थिति एवं एच.एम.आई.एस. पोर्टल पर एम.आर.-1/ एम.आर.-2 के कवरेज को अध्ययन करने के उपरान्त खसरा और रूबेला की रोकथाम के लिये कैचअप टीकाकरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। टीकाकरण कराके खसरा और रूबेला की रोकथाम की जा सकती है। बैठक के दौरान एस.एम.ओ. डब्लू.एच.ओ., डी.एम.सी. यूनीसेफ, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिधूना में 108 कुण्डीय मृत्युञ्जय माँ पीताम्बरा महायज्ञ में भक्तगण ले रहे धर्मलाभ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

औरैया । उत्तर प्रदेश के जिला औरैया के बिधूना तहसील में श्री वनखण्डेश्वर महादेव मंदिर पर दिनांक 03 नवम्बर से 12 नवम्बर 2024 तक 108 कुण्डीय मृत्युञ्जय माँ पीताम्बरा महायज्ञ चल रहा है,प्रतिदिन अलग-अलग समय में 108 कुंडों पर हवन हो रहा है,इस प्रकार सैकड़ों भक्तगण हवन कुंड पर बैठकर हवन कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं,इनमें कई लोग जोड़ों के साथ हवन कर रहे हैं । कार्यक्रम का आयोजन समस्त सनातनियों,धर्मावलम्बीयो एवं भक्तगणों द्वारा मिलकर कराया जा रहा है। यज्ञशाला व्यवस्थित ढंग से एवं बहुत ही सुंदर सजाई गई है । हवन कुंड में भाग लेने वालों की सुविधा एवं सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया है, बहार से आने वालों के लिए यहां भोजन एवं रुकने की व्यवस्था की गई है। हवन में भाग लेने के लिए क्षेत्रीय लोगों के अलावा दूर दराज से भी लोग आकर धर्मलाभ ले रहे हैं। हवन में भाग ले रहे धर्मप्रेमियों ने कहा कि यह हमारा परम् सौभाग्य है, कि हम सभी को 108 कुण्डीय मृत्युञ्जय माँ पीताम्बरा महायज्ञ में सेवा करने का अवसर प्राप्त हो रहा है,सभी सनातनी धर्मप्रेमियों ने सम्पूर्ण भारत वर्ष की सुख शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना करते हुए शुभकामनाएं दीं ।

संसार में सबसे बढ़कर है मां की ममता: शास्त्री

करौली मैया मंदिर में श्रीमद्भागवत व श्रीरामा नवकुंडीय महायज्ञ में अरुणि मंथन से प्रज्वलित की अग्नि ग्वालियर। संसार में मां की ममता से बढ़कर कुछ नहीं हैं। जो मंदिरों में तो जाकर भोग लगाते हैं,लेकिन घर में बैठे भूखे मां-बाप को नहीं पूछते हैं, उन्हें कोई लाभ नहीं होता है, इसलिए घर में मां-बाप की सेवा करें, तभी भगवत रूपी मेवा मिल सकेगी। यह विचार आचार्य पं अंकित शास्त्री ने महलगांव स्थित करौली मैया के दरबार में आयोजित हो रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान शनिवार को व्यक्त किए।, वहीं दूसरी ओर महामंडलेश्वर कपिल मुनि के सानिध्य में नवकुंडीय श्रीराम महायज्ञ में आहूतियां दी गईं। खास बात यह रही कि प्राचीन पद्धति से वेदमंत्रों के उच्चारण के बीच अरुणि मंथन कर यत्रवेदी में अग्नि प्रज्वलित की गई। रात्रि में रामलीला का मंचन किया गया। पं अंकित शास्त्री ने कहा कि धुंधकारी ने अपने मां-बाप की परवाह नहीं की, बल्कि उनको अपार दुख दिए। संसार का ऐसा कोई अवगुण नहीं जो उसमें नहीं था। वैश्याओं को घर में ले आया, उन्हीं वैश्याओं ने उसे मार दिया। बुरे कर्मों की वजह से प्रेत यौनि में पहुंच गया। तब उसने अपने सत्कर्मी भाई गौकर्ण से प्रार्थना की कि वो उसके उद्धार के लिए भागवत कराए। गौकर्ण ने धुंधकारी के उद्धार के निमित्त भागवत कराई और उसका उद्धार हो गया। यानि भागवत कथा में इतनी सामर्थ्य है कि इंसान का प्रेतों का भी उद्धार कर सकती है। लेकिन यह तभी संभव है कि कथा के श्रवण के साथ उसका चिंतन मंथन भी करना होगा और मन में कुलबुला रहे ईर्ष्या के कीड़े को मारना होगा। काम क्रोध लोभ मोह का त्याग करके कथा सुनोगे तो वह निश्चिततौर पर असर करेगी। उन्होंने बताया कि ताली बजाने से हस्तरेखा सुधर जाती हैं। बीपी कंट्रोल रहता है। भजन में ताली बजाने से नींद नहीं आती है। शास्त्री ने कहा कि कामरस को छोड़कर रामरस का पान करोगे, जीवन का कल्याण हो जाएगा। उन्होंने बताया कि अग्नि और ब्राह्मण यज्ञ नारायण भगवान का मुख होते हैं।

गोपाष्टमी पर श्री सिद्धपीठ गंगादास की बड़ी शाला में गौ पूजन किया

पुरी शंकराचार्य द्वारा स्थापित संगठन आदित्यवाहिनी ग्वालियर शाखा द्वारा गोपाष्टमी पर श्री सिद्धपीठ गंगादास की बड़ी शाला स्थित गौशाला पर महंत ÷पूरन बैराठी पीठाधीश्वर÷ स्वामी श्री रामसेवक दास जी महराज के मार्गदर्शन में शास्त्रीय विधि से गौ पूजन किया गया। महराज जी ने युवाओं को गौ सेवा में सदैव तत्पर रहने के लिए एवं गाय को कभी भी झूठा या बासी भोजन न देने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में एड0 आलेख शर्मा एवं पुष्पेंद्र गुर्जर ने गोपाष्टमी के महत्व और कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक मनाएं जाए वाले गौ नवरात्र का एवं द्वापर युग में श्री कृष्ण भगवान द्वारा प्रारंभ किया गया प्रथम सुरभि यज्ञ एवं गौ पूजन का महत्व बताया । दीपावाली के दिन लक्ष्मी माता के स्वरूप में आज भी भारत में गौ माता का पूजन किया जाता है। डॉ. वैभव शुक्ला ने इतिहास

के पन्नों से गौ रक्षा के लिए निरंतर किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला, 1857 की क्रांति में गौ चर्बी वाले कारतूस उपयोग होने पर भारतीय सैनिकों द्वारा क्रांति की गई , इसके बाद निरंतर गौ रक्षा के साथ ही समय समय पर किएआंदोलन पर प्रकाश डाला। स्वतंत्र भारत में गौ रक्षा के लिए सबसे बड़ा आंदोलन 1966 में धर्मसम्राट करपात्री जी महराज के नेतृत्व में समस्त साधु संतों द्वारा गौ हत्या पर रोक लगाने के लिए किया गया जिसमें तत्कालीन सरकार द्वारा सैकड़ों साधु संतों पर गोलियां चलवाई गई एवं 50,000 गौ भक्त एवं साधु संतों को जेल में डाल दिया गया । इसके पश्चात भी भारत में निरंतर गौ रक्षा के लिए प्रयास किए जा रहे है। कार्यक्रम में रॉबिन वर्मा, हार्दिक कालाटे,?संजना शर्मा, आस्था शर्मा जी , दीक्षा पांडे, नेहा उपाध्याय, अंकित पाल, पवन पाल, गौरव पाल, विष्णु पाल उपस्थित रहे।

समसामयिक सेवा प्रकल्पों में स्काउट गाइड का योगदान उल्लेखनीय: संदीप माकिन

दतिया । मध्यप्रदेश राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय दतिया की ओर से 07 नवम्बर को भारत स्काउट* व माइड संगठन का स्थापना दिवस झण्डा दिवस के रूप में *जिला कलक्टर संदीप कुमार माकिन* के मुख्य आतिथ्य में कलक्टर कार्यालय में मनाया गया। उन्होंने स्काउट गाइड संगठन को आर्थिक सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम की शुरुआत की और *सभी संबंधित अधिकारियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर माकिन ने कहा कि* जिले में भारत स्काउट व गाइड संगठन बहुत ही बेहतरीन ढंग से समसामयिक सेवा प्रकल्पों में अपना *उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। स्काउट गाइड को चाहिए कि वह समाज में युवाओं को जो?ने का प्रयास करे। जिससे उन्हें सही दिशा निर्धारित करने में मदद मिल सके।प्रारंभ में डीओसी स्काउट अतिवल सिंह ने कलेक्टर को भारत स्काउट व गाइड संगठन का स्कार्फ पहनाकर भारत स्काउट व गाइड का फ्लैग व प्रतीक चिह्न लगाया। जिला सचिव राजेश कतरौलिया ने स्काउट परंपरानुसार स्कार्फ पहनाकर कलेक्टर का अभिवादन किया। डीओसी दतिया अतिबल सिंह ने बताया कि भारत स्काउट व गाइड संगठन संपूर्ण राष्ट्र में अपना 75 वां वर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाने जा रहा है । विश्व स्तर पर यह संस्था 180 से अधिक देशों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।सेवा, अनुशासन,समरसता इसके मूल में रही है। कार्यक्रम में कमलेश कुमार भार्गव, मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया, उदित नारायण मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला स्काउट कमिश्नर दतिया, जिला अध्यक्ष मधवेन्द्र सिंह परिहार को भी स्कार्फ पहनकर व ध्वज स्टिकर लगाकर अभिवादन किया गया। कार्यक्रम में अतिबल सिंह डीओ सी स्काउट ,राजेश कतरौलिया जिला सचिव, लक्ष्मीराय डी.टी.सी. गाइड , अर्चना जाटव संयुक्त सचिव, जयराम पटवा सह सचिव, महेंद्र नारायन शर्मा जिला कोषाध्यक्ष, कृष्णा सोनी , विपिन कुमार बौद्ध, सक्षम तिवारी, गौरी शर्मा, अल्पना शर्मा रेंजर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गौशाला में धूमधाम से मना गोपाष्टमी पर्व

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा संचालित श्री कृष्णायन देशी गोरक्षाशाला के संतों ने संरक्षित लालटिपारा स्थित आदर्श

गौशाला में गोपाष्टमी का पर्व धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर शहरवासियों एवं गौसेवकों ने भगवान श्रीकृष्ण, गौमाता एवं संतों का पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर कृष्णायन देशी गोरक्षाशाला के संत स्वामी श्रृषभदेवानंद महाराज ने गौसेवकों को शपथ दिलाई की वह खाद्य सामग्री को पालीथिन में भरकर नहीं फेंकेंगे और आमजनों को भी वह जागरूक करेंगे। कार्यक्रम में गौमाता को हरीभाजी का भोग लगाया गया। इसके बाद गौशाला में महिलाओं द्वारा कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने गौमाता एवं भगवान श्रीकृष्ण के भजनों को गाया जिसमें बताया गया कि किस प्रकार गोपाष्टमी पर पहली बार भगवान श्री कृष्ण गौमाता को चराने के लिए जंगल में नंगे पैर लेकर गए थे। इसके बाद गौशाला में भण्डारे का आयोजन किया गया।

मानव ने संवेदनाओं से तर्क करना सीखा है, इसलिए जिम्मेदार नागरिकों का संवेदनशील होना जरूरी: प्रशासनिक न्यायाधिपति

ग्वालियर। मानव ने संवेदनाओं के माध्यम से तर्क करना सीखा है, इसलिये सभी जिम्मेदार नागरिकों का संवेदनशील होना जरूरी है। समाज के कमजोर वर्ग में बच्चे भी आते हैं, जिनके प्रति किस प्रकार का व्यवहार और नजरिया रखना है, इस ओर अधिवक्ता को भी विशेष संवेदनशील होने की आवश्यकता है, ताकि बच्चों के अधिकारों का हनन न हो सके। इस आशय के विचार उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री आनंद पाठक ने ÷बच्चों के अधिकार÷ विषय पर आयोजित हो रहे दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए। उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र में यूनीसेफ, किशोर न्याय समिति एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के संयुक्त तत्वावधान में अधिवक्तागणों के लिये यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री पाठक एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री पाठक ने कहा कि किशोर न्याय अधिनियम की और

अधिक सार्थक व्याख्या हो सके और इस अधिनियम को प्रभावी रूप से कैसे लागू किया जा सके, इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिये ही इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा विधि को विकसित करने में अधिवक्तागण की भी विषेष भूमिका होती है, इसलिये आवश्यक है कि अधिवक्तागण इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सम्मिलित हों। संबंधित विषय में जिज्ञासु बनकर बताई गई जानकारी को सुनें और उससे संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश भी डालें। रिसोर्स पर्सन के रूप में पधारे राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी लखनऊ के ऐसोसियेट प्रोफेसर डा. कुमार अस्कंद पाण्डे, एचएक्यू सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स श्री आशीष कुमार एवं सुश्री वरूणा प्रशिक्षण सत्र में सम्मिलित हुये। साथ ही उपस्थित अधिवक्तागण को ÷बच्चों के अधिकार÷ विषय पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान इन विद्वानों ने विषय से संबंधित विभिन्न प्रश्नों व जिज्ञासाओं का समाधान भी किया । कार्यक्रम में प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री पाठक सहित न्यायमूर्ति श्री रूपेश चंद्र वार्ष्णेय, न्यायमूर्ति श्री ह्रयेश, जिला-ग्वालियर के प्रधान जिला न्यायाधीश श्री पी.सी. गुप्ता, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के सचिव श्री अनिल कुमार, खण्डपीठ-ग्वालियर के जिला न्यायाधीश (सतर्कता) श्री प्रदीप मित्तल, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार अखिलेश कुमार मिश्र व ओएसडी नवीन कुमार शर्मा व हितेन्द्र द्विवेदी, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आई.टी. रजिस्ट्रार शमरेश सिंह, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पवन पाठक व सचिव महेश गोयल सहित अन्य अधिकारीगण सम्मिलित हुये।

बाबा बर्फानी समिति ने अन्नकूट में किया सेवादारों का सम्मान

ग्वालियर। श्री बाबा बर्फानी हर हर महादेव सेवा समिति का जो अमरनाथ मार्ग मनीग्राम बैस कैंप जम्मू कश्मीर में भंडारा लगाता है इस वर्ष तृतीय भंडारा लगाया था उसके उपलक्ष्य में दीपावली मिलन समारोह व अन्नकूट एवं बाबा बर्फानी का पूजन किया। इस अवसर पर समिति सदस्य मुख्य संरक्षक महेंद्र भदकारिया, अध्यक्ष लोकेश शर्मा, उपाध्यक्ष सचिव पन्नालाल गौड़ उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति सेवादार पीयूष गोयल के मरणोपरांत उनकी पत्नि को समिति के सदस्यों ने प्रमाण पत्र व श्री फल भेंट किया। बेटी बचाओ बेटी प?ाओ पहल के अंतर्गत कार्य करने एवं भ्रूण हत्या रोकना एवं बड़े बुजुर्ग की मदद करने जैसे कार्यों के लिए सुरभि भदकारिया, तनिष्का भदकारिया एवं सोशल वर्कर कंचन शर्मा शिल्पा डोगरा का सम्मान पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता व अनिल पुनियानी ने किया। इस अवसर समिति द्वारा आयोजित अन्नकूट में 1500 शिव भक्तो ने बाबा की प्रसादी ग्रहण की।

हर एक के लिए काम करके उनका दिल जीतो : संतोष दीदी

ब्रह्माकुमारीज ग्वालियर केंद्र के 63 वें स्थापना दिवस पर, मनाई गयी हीरक जयंती, हुआ रंगारंग सांस्कृति कार्यक्रम, दीदी जी के माध्यम से प्रसन्नता का भाव रखने में मदद मिलेगी: जिलाधीश रुचिका चौहान भारत की संस्कृति का प्रचार प्रसार विदेशों में हो रहा है यह जानकार प्रसन्नता होती है : आशीष प्रताप सिंह

ग्वालियर। हमको मन की शक्ति देना मन विजय करे, दूसरों की जय से पहले खुद की जय करे। पहले हम खुद को सम्मान देना सीखें। जब हम सेल्फ रेस्पेक्ट करना सीख जाएंगे, तो हम दूसरों

का भी सम्मान कर सकेंगे। यह विचार रशिया सेंट पीटसबर्ग ब्रह्माकुमारी केंद्र की प्रमुख बीके संतोष दीदी ने ब्रह्माकुमारी केंद्र ग्वालियर के 63 वें स्थापना दिवस पर आईआईटीटीएम सभागार में आयोजित भव्य समारोह में व्यक्त किए। इस मौके पर कलेक्टर रुचिका सिंह चौहान, भोपाल ?ोन की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी बीके अवेधश दीदी, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह, आईआईटीटीएम के निदेशक आलोक शर्मा, आरोग्य भारती मध्य भारत प्रान्त अध्यक्ष डॉ एस पी बत्रा की मौजूदगी में केक काटकर सेलिब्रेशन किया गया। कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर आगुन्तकों का मन मोह लिया। इस मौके पर बीके संतोष दीदी ने कहा कि हर एक के लिए काम करके उनका दिल जीतो। एक-एक व्यक्ति आपसे संतुष्ट होना चाहिए। 95 फीसदी लोग यदि आपके काम से संतुष्ट हैं तो ठीक वरना अपना आंकलन स्वयं करें। आज समूची दुनिया की निगाहें भारत पर हैं। सब कुछ होने के बावजूद वे भारत से आध्यात्मिक शक्ति लेना चाहते हैं। दुनिया में यदि पवित्रता, सुख, शांति, आनंद, प्रेम उत्पन्न हो जाए, तो विश्व सोने की चि?िया बन सकता है। हमारा सौभाग्य ही है जो हम भगवान के कार्य को देख रहे है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने इस मौके दीदी जी का स्वागत अभिनंदन करते हुए कहा कि विश्वभर में अपने प्रेरक वक्तव्य से आध्यामित्क चेतना उत्पन्न कर रही संतोष दीदी को मैं भी सुनने के लिए उत्सुक थी। दीदी जी के लिए कहेंगे कि जैसे आपके माध्यम से नया पॉजिटिव एनर्जी का सोर्स आ गया है और आप हम सबको एकदम चार्ज करके जा रहे है, निश्चित ही पिछले कुछ दिनों में सभी भाई एवं बहनों बहुत सारी ऊर्जा से अपने को भरपूर किया। दीदी जी के माध्यम से हमें अपने जीवन में सही रास्ते पर चलने, किसी भी व्यक्ति के प्रति द्वेष नहीं रखनें और प्रसन्नता का भाव रखनें में मदद मिलेगी। और हम चाहेंगे कि आप बहुत जल्दी जल्दी इसी तरह से यहाँ आते रहें खूब हम लोगों को आशीष जैसा दे रहीं है, ऐसा देते रहें। भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौर ने कहा कि संतोष दीदी के सामने बोलना सूरज के समक्ष दीपक जलाना हैं। जहां चेतना का अनुसंधान हो, वहां बोलना आसान नहीं होता है। संतोष दीदी जी के लिए इतना ही कहूँगा कि आपने ग्वालियर के इस डायमंड जुबली सेलिब्रेशन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराके हम सबको गौरवान्वित किया और ये हमारा सौभाग्य है कि हमारे भारत की जो सनातन संस्कृति है, उसका प्रचार प्रसार विदेशों में भी हो रहा है । यह जानकार बहुत आत्मिक प्रसन्नता होती है। कार्यक्रम मे आईआईटीटीएम के डायरेक्टर आलोक शर्मा ने कहा कि आप सबको यह बताना चाहता हूँ कि हमारे देश में स्प्रिचुअल और रिलिजियस टूरिज्म की बड़ी संभावनाएं है । आध्यात्मिक टूरिज्म का एक बहुत बड़ा उदाहरण में मानता हूँ कि ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने पैदा किया है बहुत सारे लोग आपके यहाँ एक जगह से दूसरे जगह आ जा रहे है, इक्कट्ठे हो रहे है, आध्यात्मिक कार्यक्रम कर रहे है। इतना आध्यात्मिक वातावरण बना है, आईआईटीटीएम में। इसके लिए मैं यहाँ आए हुए सभी लोगों को धन्यवाद करता हूँ। ब्रह्माकुमारीज कि क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी

बी के अवधेश दीदी ने पिछले 6 दशकों के इतिहास पर नजर डालते हुए, ग्वालियर वासियों को जो आध्यामिक खुराक दी है, उससे यहां एक नई चेतना का संचार हुआ है। कार्यक्रम में डॉ सत्यप्रकाश बत्रा ने कहा कि भोजन के साथ मानसिक भोजन भी कभी कभी जरूरी है, जो यहां संतोष दीदी ने उपलब्ध कराया है। कार्यक्रम को ब्रह्माकुमारी लश्कर केंद्र की प्रभारी बी के आदर्श दीदी, तानसेन नगर केंद्र की प्रभारी बी के सुधा दीदी, मुरैना केंद्र प्रभारी बी के रेखा दीदी ने भी संबोधित किया। संचालन बीके डॉ गुरूचरण सिंह एवं बीके ज्योति बहन ने तथा आभार बी के प्रहलाद भाई ने व्यक्त किया। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज ग्वालियर के सभी केंद्रों के प्रमुख एवं ब?ी संख्या में भाई-बहिन मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478